राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 15 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-319 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया शेयर

मंदिर परिसर में युवकों ने लड़की से किया गैंग रेप,

पुलिस ने 8 आरोपियों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी:असम के गुवाहाटी में मंदिर परिसर में एक महिला से बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने शुक्रवार को 8 लोगों को गिरफ्तार किया। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस के एक सीनियर अफसर ने बताया कि कथित तौर पर गोरचुक इलाकों में हुई घटना का कथित वीडियो स्थानीय लोगों के बीच वायरल होने के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना के सिलसिले में 7 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि आठवें व्यक्ति को बाद में गिरफ्तार किया गया। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बराह ने कहा कि कथित गैंगरेप का वीडियो शुक्रवार सुबह एक पत्रकार से प्राप्त हुआ। पुलिस कमिश्नर से बराह ने कहा,'प्राप्त सूचना और वीडियो की गहराई से जांच करने के बाद विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने गोरचुक और जालुकबारी पुलिस थाने के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर तत्काल छापे मारे। इस दौरान वीडियो में दिखे लोगों की पहचान की पुष्टि के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।' उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों की उम्र 18 से 23 वर्ष के बीच है। पुलिस कमिश्नर ने उनमें से एक कहा, 'महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। जांच जारी है।' बाद में बराह ने बताया कि इस मामले में फरार हो गए आठवें आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया गया है। 'रेप किया गया, वीडियो भी बनाया गया' पुलिस कमिश्नर ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पुष्टि हुई है कि ये सातों उस स्थान पर मौजूद थे, जहां सामूहिक बलात्कार हुआ था और यह घटना 17 नवंबर, 2024 को हुई थी. डीसीपी ने शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, "सात लोग एक पहाड़ी पर स्थित दुर्गा मंदिर गए थे और वहां उससे रेप किया गया और घटना का वीडियो भी बनाया गया।' अधिकारी ने बताया कि कथित वीडियो में 9 लोगों की पहचान की गई है और उनमें से पीड़िता को वहां लाया. बाद में उन्होंने लड़की के साथ बलात्कार किया और उनमें से एक ने वीडियो बनाया.घटना में कुल नौ युवक शामिल थे, जबकि हमने अब तक सात को गिरफ्तार किया है.अन्य दो की तलाश जारी है जो अभी भी फरार हैं." केस के बारे में जानकारी देते हुए एक अन्य पुलिस अफसर ने बताया कि घटना 17 नवंबर को तब हुई जब इलाके में रास उत्सव मनाया जा रहा था। उन्होंने कहा, 'अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों में से एक महिला को मंदिर परिसर में ले गया था और एक फरार है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि मंदिर और आस-पास के इलाकों में नशेड़ियों का घूमना आम बात है।

पुलिस अभी तक पीड़िता की पहचान सुनिश्चित नहीं कर पाई है. डीसीपी ने कहा, "हालांकि, हमें सामूहिक बलात्कार के पर्याप्त सबूत मिले हैं और पीड़िता की पहचान सुनिश्चित होने के बाद हम मामला दर्ज करेंगे." उन्होंने कहा कि पुलिस उपाधीक्षक साक्ष्य के आधार पर स्वत-संज्ञान लेकर मामला दर्ज करने पर भी विचार कर रही है.

असम के गुवाहाटी में मंदिर परिसर में महिला से बलात्कार के आरोप में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया। घटना का कथित वीडियो वायरल होने के बाद ये गिरफ्तारियां की गई।

गुवाहाटी में 17 नवंबर को रास उत्सव मनाया जा रहा था, तभी इस पीड़िता को एक मंदिर परिसर में ले जाया गया और वहां पर रेप को अंजाम दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के डी गुकेश ने चीन की यंगेस्ट 22 वर्षीय बादशाहत को ख़त्म कर,18.6 वर्षीय यंगेस्ट वर्ल्ड चेस चैंपियन बने

साथियों बात अगर हम भारत चीन के खिलाड़ियों के बीच टफ शतरंज चालों की करें तो, यह बाजी अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। विश्लेषकों ने मैच के टाईब्रेकर में जाने की पूरी संभावना जता दी थी लेकिन गुकेश धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत कर रहे थे। यह लिरेन की एकाग्रता में क्षणिक चूक थी जिससे ड्रॉ की ओर बढ़ रही बाजी का नतीजा निकला और जब ऐसा हुआ तो पूरा शतरंज जगत हैरान हो गया।55 वीं चाल में गलती कर बैठे लिरेनइन,दोनों खिलाड़ियों के पास आखिरी समय में बस एक रूक (हाथी) और एक बिशप (ऊंट) बचा था, जिसे उन्होंने एक दूसरे को गंवाया, अंत में गुकेश के दो प्यादों के मुकाबले लिरेन के पास सिर्फ एक प्यादा बचा था और चीन के खिलाड़ी ने हार मानकर खिताब भारतीय खिलाड़ी की झोली में डाल दिया।डिंग लिरेन ने 55 वीं चाल में गलती की जब उन्होंने हाथी की अदला-बदली की और गुकेश ने तुरंत इसका फायदा उठाया और अगली तीन बाजी में मुकाबला खत्म हो गया।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर भारत की बौद्धिक क्षमता का हर क्षेत्र में लोहा पूरी दुनियाँ ने देखा है, जो कुछ वर्षों से पूरे दम ख़म से आगे बढ़कर उच्चस्तर पर रिकॉर्ड बना रहा है, नए-नए अध्याय जुड़तें जा रहे हैं,चाहे वह प्रौद्योगिकी, संचार, विज्ञान, स्वास्थ्य, स्पेस सहित सभी क्षेत्र हो या फिर शिक्षा व खेल क्षेत्र हो, अनेक नवाचार नवोन्मेश से हैरत अंगेश सफलताएं मिल रही है, उसी क्रम में दिनांक 12 दिसंबर 2024 को देर शाम सिंगापुर में हो रही 18 वीं वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में मात्र 18.6 वर्ष के डोम्माराजू गुकेश ने यह चैंपियनशिप जीतकर शतरंज की दुनियाँ में तूफान मचा दिया है, इतनी कम उम्र में यह जीत दर्ज कर उन्होंने दिखा दिया है कि कैसे एक बच्चा भी बड़ों बड़ों को हराकर भारत की झोली में यह जीत का तमगा डालकर अविस्मरणीय नया अध्याय जोड़ सकता है,जो पूरी दुनियाँ के लिए चौकाने वाला हैरत अंगेज कारनामा है,इतनी कम उम्र में जो जीत का रिकॉर्ड है,यह मेरा मानना है कि आने वाले 100 वर्षों में भी शायद इस रिकॉर्ड को कोई तोड़ नहीं पाएगा, क्योंकि अभी तक रूस के दिग्गज गैरी कास्पारोव सबसे कम उम्र के शतरंज चैंपियन थे जिन्होंने आज से 39 वर्ष पूर्व 1985 में भारत 22 वर्ष की उम्र में यह ख़िताब उन्होंने जीता था परंतु भारतीय सपूत डी गुकेश ने मात्र 18.6 वर्ष की उम्र में खिताब जीतकर करीब 3.5 वर्ष आगे बढ़ गए हैं जिसे तोड़ना शायद बहुत मुश्किल काम है। चूँकि भारत नें चीन की यंगेस्ट 22 वर्षबादशाहत को खत्म कर 18.6 वर्ष यंगेस्ट वर्ल्ड चेस चैंपियन बने हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शाबाश डोम्माराजू गुकेश 18 वर्ष की उम्र में 18 वीं वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप की जीत कर शतरंज की दुनियाँ में तूफान मचा दिया है।

साथियों बातअगर हम 18 वीं विश्व शतरंज चैंपियनशिप प्रतियोगिता सिंगापुर में भारत के 18 वर्षीय डी गुकेश के इतिहास रचने की करें तो,उन्होंने अपने शानदार खेल से 18 वें वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप को जीतकर इतिहास रच दिया है। डी गुकेश ने सिर्फ 18 साल की उम्र में यह कारनामा कर दिखाया है। ऐसा करने वाले गुकेश दुनियाँ के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने हैं। गुकेश ने खिताबी मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की है। डी गुकेश ने चैंपियनशिप मुकाबले के 14 वें और आखिरी राउंड में चीन के चैंपियन डिंग लिरेन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम बाजी भारत के डी गुकेश ने जीतकर खिताब को अपने नाम कर लिया।गुकेश ने 14 बाजी के इस मुकाबले की आखिरी क्लासिकल बाजी जीतकर लिरेन के 6.5 के मुकाबले जरूरी 7.5 अंक के साथ खिताब जीता। यह बाजी हालांकि अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। गुकेश की खिताबी जीत से पहले रूस के दिग्गज गैरी कास्पारोव सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन थे जिन्होंने 1985 में अनातोली कार्पोव को हराकर 22 साल की उम्र में खिताब जीता था।12 साल के बाद किसी भारतीय ने इस खिताब को अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। इससे पहले दिग्गज विश्वनाथन आनंद ने 2012 में चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीता था। गुकेश यह खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।बुधवार को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप की 13 वीं बाजी में 68 चाल के बाद गुकेश को गेम ड्रॉ खेलना पड़ा था। तब स्कोर 6.5-6.5 से बराबरी पर था। गुकेश ने तीसरा, 11वां और 14वां गेम जीता। वहीं लिरेन ने पहला और 12 वां गेम जीता। बाकी सभी गेम ड्रॉ रहे। उन्होंने लिरेन को 14वें गेम में से हराया। इसी के साथ स्कोर 7.5-6.5 हो गया और गुकेश चैंपियन बन गए। गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच की यात्रा पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई जब उन्होंने चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट जीतकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाई थी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में फाबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा की अमेरिकी जोड़ी को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन गुकेश ने सभी को पछाड़ते हुए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर शतरंज की दुनियाँ में तूफान मचा दिया था और इनमें आर प्रज्ञाना नंदा भी शामिल थे। तब गुकेश की उम्र मात्र 17 साल थी। वह कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा प्लेयर थे। शतरंज की दुनियाँ में नया इतिहास रचने वाले डी गुकेश चैंपियन बनते ही फूट-फूट कर रो पड़े,जो खिलाड़ी हमेशा शांत दिखता रहा है, वह विश्व चैंपियन बनने के बाद अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख सका। डी गुकेश ने कहा भी कि यह ऐसी उपलब्धि थी, जिसका सपना तो सभी देखते हैं, उन्होंने भी देखा था लेकिन वे इतनी जल्दी चैंपियन बन जाएंगे, इसकी उम्मीद नहीं की थी, शायद यही वजह है कि वे आंसू नहीं रोक पाए।भारत के डी गुकेश ने गुरुवार को फीडे वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराया। दोनों खिलाड़ी एक दिन पहले तक 6.5-6.5 से बराबरी पर थे। गुरुवार को 14वीं बाजी खेली गई, जिसमें डिंग लिरेन ने सफेद मोहरों से शुरुआत की, गुकेश ने इस निर्णायक बाजी में दबाव पर नियंत्रण रखा और गत चैंपियन को हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है।

साथियों बात अगर हम भारत चीन के खिलाड़ियों के बीच टफ शतरंज चालों की करें तो, यह बाजी अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। विश्लेषकों ने मैच के टाईब्रेकर में जाने की पूरी संभावना जता दी थी लेकिन गुकेश धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत कर रहे थे। यह लिरेन की एकाग्रता में क्षणिक चूक थी जिससे ड्रॉ की ओर बढ़ रही बाजी का नतीजा निकला और जब ऐसा हुआ तो पूरा शतरंज जगत हैरान हो गया।55 वीं चाल में गलती कर बैठे लिरेनइन,दोनों खिलाड़ियों के पास आखिरी समय में बस एक रूक (हाथी) और एक बिशप (ऊंट) बचा था, जिसे उन्होंने एक दूसरे को गंवाया, अंत में गुकेश के दो प्यादों के मुकाबले लिरेन के पास सिर्फ एक प्यादा बचा था और चीन के खिलाड़ी ने हार मानकर खिताब भारतीय खिलाड़ी की झोली में डाल दिया।डिंग लिरेन ने 55 वीं चाल में गलती की जब उन्होंने हाथी की अदला-बदली की और गुकेश ने तुरंत इसका फायदा उठाया और अगली तीन बाजी में मुकाबला खत्म हो गया। गुकेश ने गुरुवार को निर्णायक बाजी से पहले तीसरे और 11वें दौर में जीत हासिल की थी।32 वर्षीय लिरेन ने शुरुआती बाजी के अलावा 12 वीं बाजी अपने नाम की थी। अन्य सभी बाजियां ड्रॉ रही साथियों बात अगर हम डी गुकेश के जीवन व उन्हें मिले पुरस्कारों के बारे में जानने की करें तो, गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था।उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्टट हैं।गुकेश को मिले 11.45 करोड़ रुपए, इंटरनेशनल चेस फेडरेशन के 138 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एशिया के 2 खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के लिए आमने-सामने थे। क्लासिकल गेम में एक जीत पर प्लेयर को 1.69 करोड़ रुपए मिले। यानी 3 गेम जीतने पर गुकेश को 5.07 करोड़ और 2 गेम जीतने पर लिरेन को 3.38 करोड़ रुपए सीधे ही मिल गए। बाकी प्राइज मनी दोनों प्लेयर्स में बराबर बांटी गई, यानी गुकेश को 11.45 करोड़ और लिरेन को 9.75 करोड़ रुपए का इनाम मिला।

साथियों बात अगर हम डी गुकेश को राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री द्वारा दी गई बदायूं की करें तो, राष्ट्रपति ने कहा- विश्व शतरंजचैंपियनशिप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने पर गुकेश को हार्दिक बधाई। उन्होंने भारत को बहुत गौरवान्वित किया है। उनकी जीत शतरंज की महाशक्ति के रूप में भारत की साख को दर्शाती है। गुकेश ने बहुत बढ़िया काम किया है। हर भारतीय की ओर से मैं कामना करती हूं कि आप भविष्य में भी इसी तरह सफल होते रहें।प्रधानमंत्री ने आज गुकेश डी को सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर बधाई दी। उन्होंने गुकेश की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक और अनुकरणीय बताया।एक्स पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के हैंडल की एक पोस्ट का जवाब देते हुए,उन्होंने कहा-ऐतिहासिक और अनुकरणीय!गुकेश डी को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई। यह उनकी अद्वितीय प्रतिभा, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प का परिणाम हैउनकी जीत ने न केवल शतरंज के इतिहास में उनका नाम दर्ज कराया है,बल्कि लाखों युवा प्रतिभाओं को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित भी किया है।उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शाबाश डोम्माराजू गुकेश!-18 वर्ष की उम्र में 18 वीं वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप सिंगापुर को जीतकर शतरंज की दुनियाँ में तूफ़ान मचा दिया!भारत के डी गुकेश ने चीन की यंगेस्ट 22 वर्षीय बादशाहत को ख़त्म कर,18.6 वर्षीय यंगेस्ट वर्ल्ड चेस चैंपियन बने।भारत का लोहा पूरी दुनियाँ ने मानां-दुनियाँ के यंगेस्ट वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप उम्र 18.5 वर्ष का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ने में अब 100 वर्ष लग सकते हैं।

संपादकीय

शतरंज का बादशाह

भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर गुकेश डी का वर्ल्ड चैंपियन बनना हर भारतीय को उल्लास से भर गया। वजह है कि वह दुनिया में सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। जो बताता है कि भारत अब शतरंज के ग्रैंड मास्टरों की खान बनता जा रहा है। वीरवार को उसने सिंगापुर में खेली गई विश्व चैंपियनशिप की 14वीं अंतिम बाजी में चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिझेन को हराया। बचपन में किसी पत्रकार ने उनसे पूछा था कि उनका सपना क्या है तो बालक गुकेश ने दो टूक शब्दों में कहा था कि मैं विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं। यह तो तय था कि वे विश्व चैंपियन बनेंगे, लेकिन इतनी जल्दी बनेंगे यह उम्मीद उनके अलावा किसी को नहीं थी। विश्वनाथन भी विश्व चैंपियन बने मगर वे 31 साल की उम्र में यह करिश्मा दिखा पाए। यही वजह है कि 14वीं व अंतिम बाजी जीतने के बाद वे भाव-विभोर होकर अपनी अप्रत्याशित जीत के बाद खुशी से सार्वजनिक रूप से रो पड़े। बेहद सहज व सरल स्वभाव के गुकेश का बड़प्पन देखिए कि इस बड़ी जीत के बावजूद उन्होंने कहा कि हारने वाले डिंग दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। बहरहाल, आज गुकेश निर्विवाद रूप से शतरंज के बादशाह हैं। उनकी साधना ने सफलता की नई इबारत लिखी है। उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का भरपूर संबल रहा। यहां तक कि बेटे की सुनहरी कामयाबी के लिये पिता ने अपना कैरियर तक दांव पर लगा दिया। वैसे सिंगापुर में तेरह दिसंबर तक चलने वाली चेस चैंपियनशिप का एक सुखद पहलू यह भी है कि शतरंज में एशिया का वर्चस्व नजर आया। यह इस विश्वस्पर्धा के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ कि दो एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहीं मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैंपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबलों तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रेमियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा। बहरहाल, इस कड़े मुकाबले का निष्कर्ष यह है कि इस मुकाबले के बाद गुकेश शतरंज की दुनिया के बेताज बादशाह बन गए हैं। उन अंतर्राष्ट्रीय माहिरों को मुंह की खानी पड़ी जो कुछ राउंड के बाद गुकेश को कमतर आंक रहे थे। वैसे पूर्व विश्व चैंपियन आनंद ने इस मुकाबले को जटिल व कठिन बताया था। बहरहाल, चेन्नई के गुकेश डी की इस कामयाबी ने एक संकेत यह दिया कि चेन्नई देश को लगातार विश्वस्तरीय ग्रैंडमास्टर दे रहा है। यहां तक कि कई चैंपियन देने वाले चेन्नई को भारत की शतरंज की राजधानी तक कहा जाने लगा है। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि गुकेश के परिवार में कभी किसी ने शतरंज नहीं खेला। उनके खेल के प्रति जुनून ने ही उन्हें विश्व चैंपियन बनाया है। यहां तक कि स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने ग्रैंड मास्टर का खिताब हासिल कर लिया था। वे 2019 में भारत के सबसे कम उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने वाले मोहरों के माहिर थे। कालांतर उनकी प्रतिभा निखारने के लिये पिता ने उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण दिलाया। उनके प्रशिक्षकों ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन पर विशेष ध्यान दिया। परिवार व स्कूल के संबल से प्रतिभा निखरी।

वाक् पटु एवं कुशल वक्ता थे -सरदार वल्लभ भाई पटेल

(लेखक- मुकेश तिवारी)

(74वी पुण्य तिथि पर विशेष)

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे। जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था । झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के र थे और खेती किसानी किया करते थे । बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी। वल्लभभाई का बचपन माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद वह बड़ौदा से पूर्ण की । वल्लभभाई का बाल्यकाल माता -पिता के साथ गांव में ही गुजरा तथा यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा इन्होने नडियाद व बडौदा से पूरी की।

वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी। संयमी और साहसी पुरुष थे। 1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन बताए तीन वर्ष तक घर से नदारद रहे। वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए। उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया। पिता के संयम। साहस,वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे। वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया। उनकी दृढ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का सम्मान प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया। वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी। उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा। इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे। वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विधालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया। यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का व्यापार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों को बाध्य करते थे। बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी। पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया। अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा। यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था। अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी। बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया। यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे। मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पत थे। हालांकि संस्कृत नं पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद नहीं करते थे। पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः वे उनसे नाराज़ रहने लगे थे।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। अल्प समय बाद ही एक

अन्य अध्यापक से उनका विवाद हो गया अतः, पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया। पटेल पुन नाडियाद आ गए। सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में हिंदुस्तान को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्ध हुई।

वैसे भी सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि एकता के बिना जनशकित तब तक एक ताकत नहीं बन सकती । जब तक उसे एकजुट कर सामंजस्य में न लाया जाये। तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है। पटेल जी के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था। वे सदैव स्वतंत्र भाव से नैतिकता की रक्षा करते रहे। अपनी कबलियत, व्यवहार, वाक् चातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था। अपने इन्हीं गुणों के कारण गोधरा में वकालत करते वक्त ही उन्होंने खूब ख्याल अर्जित कि वह हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्कों से सदैव प्रभावी बने रहते तथा लगभग प्रत्येक मामले में जीतते थे । जुलाई 1917 में बल्लभ भाई गुजरात क्लब के सेक्रेटरी चुने गए इन दिनों गांधीजी बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती के अंग्रेज ठेकेदारों और जमीदारों द्वारा शोषित कृषकों के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे थे । उनके इस कार्य का देशव्यापी प्रभाव पड़ रहा था। गांधी जी ने मोतिहारी में चंपारण के चले जाने संबंधी मजिस्ट्रेट का आदेश मानने से दो टूक शब्दों में मना कर दिया और अपना काम जारी रखा। उन पर मुकदमा चला और इस मुकदमे में गांधीजी के बयान से देश भर में हड़कंप मच गया। वल्लभ भाई व उनके मित्रों ने यह बयान समाचार पत्र में पढ़ा तथा गांधी जी के साहस से काफी प्रभावित हुए। इस घटना के पश्चात गांधीजी के प्रति वल्लभभाई के जहन में आदर भाव बढ़ा। जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्ध हुआ। वल्लभभाई 19 15 से ही गुजरात सभा के सदस्य थे। इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें अनेक कद्दावर नेता सम्मिलित हुए तथा प्रायः सभी ने हिंदी व गुजराती में भाषण दिया। यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया। इस सम्मेलन में किसी ने भी अंग्रेजी में भाषण नहीं दिया। साथ ही ब्रिटिश ताज के प्रति वफादारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया। अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली मर्तबा हुआ था । इस बीच एक कार्यसमिति का गठन किया गया। जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही। इस समिति के गांधी जी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया और इसका कार्यालय अहमदाबाद में रखा गया। अब तक देश में होम रुल की स्थापना हो चुकी थीऔर सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था। परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को सफल करने का दायित्व वल्लभभाई पर ही था। वल्लभभाई ने अत्यंत ही उत्साह से कार्य प्रारंभ किया तथा कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया।

(चिंतन-मनन)

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया।

संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया।

संन्यासी बोला- समझे या नहीं।

उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए।

संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्थलों के सर्वे पर लगाई रोक, केंद्र से मांगा जवाब

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

अधिकांश नेताओं के राजनीतिक भाषण अक्सर लोकलुभावन वादों से परिपूर्ण सुनहरे सपने दिखाने वाले होते हैं। इससे परे जब बात संसद में भाषण देने की होती है तो सत्यता के साथ तथ्यात्मकता, गंभीरता और जिम्मेदारी का ध्यान रखा जाता है। इस आधार पर संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान वायनाड सांसद प्रियंका गांधी द्वारा दिया गया भाषण वाकई काबिले जिक्र है। इस पर चर्चा इसलिए भी जरुरी हो जाती है क्योंकि प्रियंका का यह लोकसभा में दिया गया पहला भाषण था। इसके जरिए प्रियंका गांधी ने जहां सत्तारूढ़ सरकार पर तीखा हमला बोला वहीं उन्होंने संविधान की अहमियत और जनता के अधिकारों की रक्षा पर भी प्रभावी ढंग से अपनी बात रखी। यही वजह है कि उनके भाषण की तारीफ विपक्ष के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने मुक्तकंठ से की है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो उनके भाषण को स्वयं द्वारा संसद में दिए गए पहले भाषण से बेहतर बताया है, जबकि राहुल और प्रियंका गांधी की मॉ और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसे एक्सीलेंट कहा है। यही नहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रियंका की स्पष्टता और साहसिक वक्तव्य की सराहना की है। यहां सवाल यह उठता है कि आखिर प्रियंका ने अपने पहले भाषण में ऐसा क्या कहा जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। दरअसल प्रियंका ने संविधान पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने देश में भय का ऐसा वातावरण बना दिया है, जैसा अंग्रेजों के राज में था। यह तो सभी कहते आ रहे हैं और इसमें नया कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस मंच से यह बात उठाई गई औरजिस प्रभावी ढंग से रखी गई वही इसे विचारणीय बना देती है। इस बात को उन्होंने प्रभावी ढंग से कहा, कि आज का राजा आलोचनाओं से डरता है। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। जनता के बीच जाने का साहस नहीं है। देश के वर्तमान हालात का नक्शा खींचते हुए प्रियंका गांधी ने सरकार पर विभाजनकारी नीतियां अपनाने का जहां आरोप लगाया वहीं उन्होंने भाईचारे को तोड़ने जैसे कार्य किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने संविधान की एहमियत को रेखांकित किया और संविधान को देश का सुरक्षा कवच बताया। संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि न्याय, अभिव्यक्ति और आकांक्षा की ज्योत है। यह संविधान ही है जिसने हर भारतीय को अपनी आवाज उठाने और सरकार को जवाबदेह बनाने का अधिकार दिया है। लेकिन, आज की सरकार इन अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। प्रियंका इसका उदाहरण देती हुई कहती हैं कि सरकार निजीकरण और लेटरल एंट्री के जरिए आरक्षण को खत्म करने की कोशिश कर रही है। भाषण में तीखापन लाते हुए वो कह जाती हैं कि प्रधानमंत्री संविधान को माथे से लगाते हैं, लेकिन जब मणिपुर और संभल में न्याय की गुहार उठती है, तो उनके माथे पर शिकन तक नहीं आती। देश के विभिन्न हिस्सों में जारी हिंसा पर सरकार की निष्क्रियता को लेकर सभी मंचों से आवाज उठती रही है और लगातार सरकार को घेरा जाता रहा है, लेकिन प्रियंका ने जिस तरह से इस बात को रखा उसकी चर्चा भी हो रही है। वो कहती हैं कि संविधान ने हमें एकता दी है, लेकिन आज इसे कमजोर किया जा रहा है। वाकई संविधान तो विभिन्नता में एकता का सूत्र देता है, जिस कारण दुनियां में देश की अलग पहचान बनती है और विकास की गाथा इसी आधार पर लिखी जाती है, जिसकी चर्चा पड़ोसी देश भी करते देखे जाते हैं। देश में मौजूद समस्याओं को जिस अंदाज में उठाया गया है, वह भी उल्लेखनीय हो गया है। प्रियंका गांधी ने किसानों और मजदूरों की समस्याओं पर सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था कि कृषि कानून उद्योगपतियों के लिए बनाए जा रहे हैं। हिमाचल में सेब के किसान रो रहे हैं। वायनाड से लेकर ललितपुर तक किसान परेशान हैं। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रही जनता का सवाल रखा और बताया कि सरकार कोई राहत नहीं दे रही है। इन सभी के साथ मौजूदा सरकार ने जिस तरह से देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु को मौजूदा परेशानियों और समस्याओं का जिम्मेदार ठहराने वाला तकियाकलाम अपना रखा है, उसका भी प्रियंका ने वाजिब सवालिया जवाब दे दिया है। इस प्रकार प्रियंका ने अपने पहले भाषण में जहां संविधान के महत्व को रेखांकित किया वहीं उन्होंने देश की ज्वलंत समस्याओं से भी अवगत कराते हुए सरकार को उसकी अपनी जिम्मेदारी याद दिलाने का भी बेहतर काम कर दिखाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एचडीएफसी बैंकिंग सर्विस डाउनः दो दिनों तक बंद रहेगी क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन

आईसीआईसीआई बैंक में भी 14 और 15 दिसंबर को कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को एक महत्वपूर्ण अलर्ट दिया है जिसमें बताया गया है कि 14 और 15 दिसंबर को बैंक की कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। इसका मुख्य कारण मेंटेनेंस कार्य है। 14 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से डेढ़ बजे तक क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन बंद रहेगा। उसके बाद, नेटबैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग ऐप की सेवाएं दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से शुरू होंगी और लगभग 3 घंटे तक बंद रहेंगी। इसके साथ ही आईसीआईसीआई बैंक ने भी ग्राहकों को एक समान अलर्ट जारी किया है। उन्होंने बताया है कि 14 और 15 दिसंबर को कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। ग्राहकों को अलर्ट दिया गया है कि इस अवधि के दौरान आरटीजीएस ट्रांजेक्शन स्थगित किए जाएंगे। ग्राहकों को सुझाया गया है कि इस अवधि के दौरान अल्टरनेटिव विकल्प के रूप में आईमोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करें। यह सूचना एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण है। इन समयों में सर्विस में किए गए किसी भी बदलाव की सम्यक जानकारी लेने के लिए ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

मैकिंजी संघीय जांच से बचने को 65 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगी

वाशिंगटन। अमेरिकी सलाहकार फर्म मैकिंजी एंड कंपनी ने दवा कंपनी पड्र्यू फार्मा के लिए किए गए कार्यों की संघीय जांच से बचने के लिए 65 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है। वर्जीनिया में अदालत में दायर दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। इसके मुताबिक अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुए समझौते के तहत मैकिंजी आपराधिक आरोपों पर अभियोजन से बच जाएगी। हालांकि इस राहत के लिए मैकिंजी को इस राशि का भुगतान करना होगा और पांच साल के लिए नियंत्रित पदार्थों की बिक्री, विपणन या प्रचार बंद करने जैसी शर्तों का पालन भी करना होगा। मैकिंजी के प्रतिनिधियों ने इस समझौते के बारे में टिप्पणी के लिए फोन कॉल और ईमेल संदेशों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। न्यायालय में दाखिल दस्तावेजों में कहा गया है कि पड्र्यू ने ऑक्सीकॉन्टिन दवा समेत कई उत्पादों से राजस्व बढ़ाने के तरीकों के लिए मैकिंजी को 15 वर्षों में 9.3 करोड़ डॉलर से अधिक का भुगतान किया।

वेलस्पन कॉर्प अमेरिकी संयंत्र की क्षमता बढ़ाने 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी

नई दिल्ली । वेलस्पन कॉर्प ने अमेरिका में अपने लिटिल रॉक संयंत्र की क्षमता दोगुनी करने के लिए 10 करोड़ डॉलर की विस्तार योजना शुरू की है। कंपनी ने बयान में कहा कि विस्तार परियोजना मार्च 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। इस इकाई की मौजूदा क्षमता 1.75 लाख टन है, जिसे बढ़ाकर 3.5 लाख टन किया जाएगा। वेलस्पन कॉर्प ने कहा कि यह निवेश यह दर्शाता है कि कंपनी चौड़े आकार वाली लाइन पाइप बनाने में सक्षम है। वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन ने कहा कि यह विस्तार कंपनी के कारोबार के विस्तार और उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण है। इस निवेश से एक महत्वपूर्ण योजना के तहत कंपनी दावा कर रही है कि वह अपनी पहचान मज़बूत करेगी। वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड वैश्विक स्तर पर चौड़े आकार वाली लाइन पाइप बनाने वाली शीर्ष तीन कंपनियों में से एक है और इस नए विस्तार से उसकी मुख्यता और मजबूती और भी बढ़ेगी।

फरवरी में रेपो दर में 25 आधार अंकों की हो सकती है कटौती

- भारत की समग्र मुद्रास्फीति नवंबर में 6 फीसदी से नीचे

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 5.48 फीसदी के स्तर पर आ गई है और ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले महीने में मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से नीचे रह सकती है। ऐसे में अर्थशास्त्रियों और बाजार का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक की दरें तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) फरवरी में होने वाली बैठक में रीपो दर 25 आधार अंक दर की कटौती कर सकती है। भारत की समग्र मुद्रास्फीति नवंबर में 6 फीसदी से नीचे आ गई है जो आरबीआई के मुद्रास्फीति को 2-6 फीसदी के दायरे में रखने के लक्ष्य के अनुरूप है।

यह खाद्य कीमतों में कमी और अन्य कारकों के बीच अनुकूल आधार प्रभाव के कारण संभव हुआ है। कोर मुद्रास्फीति भी नवंबर में थोड़ी कम होकर 3.7 फीसदी हो गई जो पिछले महीने के 3.8 फीसदी से कम है। इसकी तुलना में समग्र मुद्रास्फीति अक्टूबर में 6.2 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई जबकि सितंबर में यह 5.49 फीसदी थी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट में लिखा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि आरबीआई फरवरी 2025 में दर में कटौती करेगा और दर कटौती चक्र में कुल 75 आधार अंकों की कटौती हो सकती है। मगर डॉलर में होने बदलाव से ऐसे निर्णय के प्रभावित होने की संभावना नहीं है जैसा कि वर्ष 2018 में हुआ था जब आरबीआई ने रुपये पर भारी दबाव होने के बावजूद दरों में बढ़ोतरी नहीं की थी। डीबीएस बैंक की कार्यकारी निदेशक और वरिष्ठ अर्थशास्त्री राधिका राव ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए और उन्होंने कहा कि हम फरवरी की बैठक में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं और इस चक्र में कुल 75 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। साथ ही हमारी नजर अमेरिकी डॉलर पर भी है। राव को उम्मीद है कि खाद्य वस्तुओं पर मौसम संबंधी असर के खत्म हो जाने के बाद समग्र मुद्रास्फीति 4-5 प्रतिशत के दायरे में सामान्य हो जाएगी।

एलआईसी ने आयरन ओर उत्पादक नवरत्न कंपनी में घटाई हिस्सेदारी

- एलआईसी की हिस्सेदारी घटकर 5.6 फीसदी रह गई, इससे पहले हिस्सेदारी 7.6 फीसदी थी

मुंबई । देश की प्रमुख बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने आयरन ओर उत्पादक नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी 2 फीसदी घटा दी है। इसके बाद नवरत्न पीएसयू आयरन ओर माइनिंग कंपनी एनएमडीसी में एलआईसी की हिस्सेदारी घटकर 5.6 फीसदी रह गई है, इससे पहले हिस्सेदारी 7.6 फीसदी थी। एलआईसी का शेयर शुक्रवार को 932.60 रुपए पर बंद हुआ। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने सितंबर, 2023 से दिसंबर, 2024 तक की अवधि में बाजार बिक्री की एक श्रंखला के माध्यम से एनएमडीसी में 5.91 करोड़ से अधिक शेयर यानी 2 फीसदी हिस्सेदारी बेची है। एनएमडीसी के वोटिंग अधिकार वाले इक्विटी शेयरों में एलआईसी की हिस्सेदारी 22,31,79,025 शेयरों (7.6 फीसदी) से घटकर 16,40,59,791 शेयर (5.6 फीसदी) रह गई है। पिछले महीने एलआईसी ने कहा था कि उसने टाटा पावर में 2.02 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी करीब 2,888 करोड़ रुपए में बेच दी है और कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटाकर 3.88 फीसदी कर दी है। शुक्रवार को एनएमडीसी का शेयर बीएसई में 2.91 फीसदी की गिरावट के साथ 233.70 रुपए पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और फेड पॉलिसी से पहले भारतीय सूचकांक लगातार चौथे सप्ताह बढ़त लेकर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि बीते सप्ताह एफआईआई की खरीदारी, सीपीआई और आईआईपी आंकड़ों ने भी बाजार को साप्ताहिक गिरावट को कम करने में मदद की। बीते सप्ताह शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार- चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच शुरुआती घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को उतार-चढ़ाव का माहौल देखा गया। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 151.36 अंक की गिरावट के साथ 81,557.76 अंक पर खुला और 200.66 अंकों की गिरावट के बाद 81,508.46 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी बढ़त के साथ खुलने के बाद शुरुआती सौदों में 37.45 अंक फिसलकर 24,640.35 अंक पर खुला और 58.80 अंक टूटकर 24,619.00 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सपाट स्तर पर खुले। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 35.71 अंक की बढ़त के साथ 81,544.17 अंक पर खुला और .59 अंक गिरकर 81,510.05 पर बंद हुआ। निफ्टी 13.25 अंक चढ़कर 24,632.25 अंक पर खुला और 8.95 अंक की गिरावट के साथ 24,610.05 पर बंद हुआ। बुधवार को

सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 19.22 अंक की बढ़त के साथ 81,529.27 अंक पर खुला और 13.34 अंकों की गिरावट के साथ 81,496.70 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.55 अंक चढ़कर 24,631.60 अंक पर खुला और 20.25 अंकों की गिरावट के साथ 24,630.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी सपाट ही खुला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 83.73 अंक चढ़कर 81,609.87 अंक पर खुला और 236.18 अंक कमजोर होकर 81,289.96 पर बंद हुआ। निफ्टी 12 अंक की बढ़त के साथ 24,604.45 अंक पर खुला और 93.10 अंक टूटकर 24,548.70 पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट के बाद बाजार ने पलटी मार दी है। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिकवाली के बाद संभले और हरे निशान पर लौट आए। दोपहर बाद सेंसेक्स 321.00 अंक चढ़कर 81,537.48 पर पहुंच गया और 843.16 अंक उछलकर 82,133.12 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 88.75 अंक चढ़कर 24,637.45 पर खुला और 88.75 अंक चढ़कर 24,637.45 पर बंद हुआ।

सेबी ने रिटेल निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव दिया

- एल्गो ट्रेडिंग कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए ट्रेडिंग को तेज़, सस्ता और पारदर्शी बनाती है

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने रिटेल निवेशकों के लिए एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। यह तकनीक कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए ट्रेडिंग को तेज़, सस्ता और पारदर्शी बनाती है। अब तक यह सुविधा केवल संस्थागत निवेशकों को मिलती थी। एल्गो ट्रेडिंग का उपयोग करने से निवेशक तेज़ी से खरीद-फरोख्त कर सकते हैं। इससे बाजार में लेन-देन आसान होता है और तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ती है। सेबी का कहना है कि यह सुविधा रिटेल निवेशकों को सुरक्षा और सही नियमों के साथ दी जाएगी। सेबी के अनुसार एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा स्टॉक ब्रोकरों के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए ब्रोकर को पहले स्टॉक एक्सचेंज से अनुमति लेनी होगी। ट्रेडिंग में हर लेन-देन को स्टॉक एक्सचेंज की ओर से दिए गए यूनिक आईडेंटिफायर से टैग किया जाएगा, ताकि उसकी ट्रैकिंग की जा सके। यदि ब्रोकर एल्गो सिस्टम में कोई बदलाव करना चाहेंगे, तो उन्हें इसके लिए एक्सचेंज से मंजूरी लेनी होगी। एल्गो ट्रेडिंग के लिए एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रोकर इस प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि एल्गो प्रदाता या फिनटेक कंपनियां उनके एजेंट के रूप में काम करेंगी। जो भी लेन-देन एक तय सीमा से अधिक होगा, उसे एल्गो ट्रेडिंग माना जाएगा और उसे यूनिक आईडेंटिफायर से टैग किया जाएगा।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, घटकर 654.85 अरब डॉलर पहुंचा

6 दिसंबर से पहले विदेशी मुद्रा भंडार में 1.51 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी

नई दिल्ली । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 6 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 3.235 अरब डॉलर की कमी आई है। इस दौरान भंडार घटकर 654.857 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 1.51 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, जिससे लगातार कई हफ्तों की गिरावट रुकी थी। सितंबर के अंत में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के अपने अब तक के उच्च स्तर पर पहुंचा था। आरबीआई के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 6 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 3.228 अरब डॉलर घटकर 565.623 अरब डॉलर रह गईं। ये परिसंपत्तियां डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं की कीमतों में बदलाव के कारण प्रभावित होती हैं। इस सप्ताह भारत के सोने के भंडार में भी गिरावट दर्ज की गई। सोने का भंडार 43 मिलियन डॉलर घटकर 66.936 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार में 25 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जिससे यह 18.031 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की भंडार स्थिति 12 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.266 अरब डॉलर हो गई।

स्विट्ज़रलैंड ने भारत से वापस लिया एमएफएन का दर्जा

- मोस्ट फेवर्ड नेशन के दर्जे वाले देश एक-दूसरे को व्यापार में देते हैं विशेष छूट

मुंबई ।

स्विस कंपनी नेस्ले पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद स्विटजरलैंड ने भारत को दिया गया सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र यानी मोस्ट फेवरेट नेशन का दर्जा निलंबित (सस्पेंड) कर दिया। स्विटजरलैंड ने एमएफएन का दर्जा वापस लेने के अपने फैसले के पीछे नेस्ले से संबंधित एक मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2023 में दिए गए फैसले का हवाला दिया है। मोस्ट फेवर्ड नेशन के दर्जे वाले देश एक-दूसरे को व्यापार में विशेष छूट देते हैं। स्विस वित्त विभाग ने हाल ही में एक बयान जारी करके कहा कि यह कदम पिछले साल भारत के सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद उठाया गया है जिसमें कहा गया था कि यदि कोई देश ओईसीडी में शामिल होने से पहले भारत सरकार ने उसके साथ टैक्स डील पर हस्ताक्षर किए हैं तो एमएफएन चैप्टर लागू नहीं होता है। अब इस दर्जे के रद्द होने से भारतीय कंपनियों को स्विट्जरलैंड में ज्यादा टैक्स भरना होगा। भारत ने कोलंबिया और लिथुआनिया के साथ कर संधियों पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कुछ प्रकार की आय पर कर दरें ओईसीडी देशों को दी जाने वाली दरों से कम थीं। बाद में दोनों देश ओईसीडी में शामिल हो गए। 2021 में स्विटजरलैंड ने व्याख्या की कि

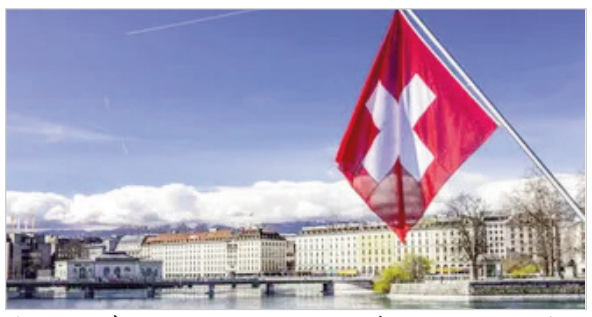

कोलंबिया और लिथुआनिया के ओईसीडी में शामिल होने का मतलब है कि समझौते में उल्लिखित 10 प्रतिशत के बजाय एमएफएन खंड के तहत भारत-स्विट्जरलैंड कर संधि पर लाभांश के लिए 5 प्रतिशत की दर लागू होगी। एमएफएनइ दर्जे के निलंबन के बाद इस फैसले का असर यह होगा कि स्विट्जरलैंड एक जनवरी 2025 से भारतीय कंपनियों के वहां अर्जित लाभांश पर 10 फीसदी टैक्स लगाएगा। स्विस विदहोल्डिंग टैक्स के लिए रिफंड का दावा करने वाले भारतीयों को ये देना होगा।

एक लाख करोड़ का एयूएम होने पर आईपीओ ला सकती है एलआईसी म्युचुअल फंड

एलआईसी ने एयूएम वित्त वर्ष 2025-26 तक होने का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली ।

एलआईसी म्युचुअल फंड ने अपनी प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) के एक लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने पर आईपीओ लाने की संभावना को खोल दिया है। एक अधिकारी ने इसे पुष्टि की और बताया कि कंपनी ने एयूएम वित्त वर्ष 2025-26 तक होने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में एलआईसी एमएफ का एयूएम लगभग 38,000 करोड़ रुपये है, जो 2022-23 में 16,526 करोड़ रुपये था। एलआईसी म्युचुअल फंड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उन्होंने 67 प्रतिशत की वृद्धि की है और वर्तमान वृद्धि दर 30 प्रतिशत है। उन्होंने इक्विटी योगदान के 47 प्रतिशत और बॉन्ड के 53 प्रतिशत हिस्से के साथ बताया कि सभी कोषों में वित्तलिय रूप से शासन वाले और कॉर्पोरेट निवेशक बॉन्ड में ज्यादा पैसा लगाए हैं। रूपरेखा से एलआईसी एमएफ ने खुदरा निवेशकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए न्यूनतम व्यवस्थित निवेश योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने पर खुदरा और इक्विटी भागीदारी 65-70 प्रतिशत तक बढ़ जाए। यह लक्ष्य हासिल करने के लिए कंपनी ने विभिन्न पहल की हैं, जैसे जीवन बीमा निगम के नेटवर्क का उपयोग और वितरण चैनलों का स्थापना।

टाटा समूह के विमानन कंपनियों की सीट क्षमता में 20 फीसदी बढ़ी

- पिछले साल 4.58 करोड़ सीटें थी जो बढ़कर 2024 में 5.47 करोड़ पहुंच चुकी है

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की विमानन कंपनियों ने घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय परिचालन की एकीकृत सीट क्षमता में 20 फीसदी की वृद्धि की घोषणा की है। एयर इंडिया को नियंत्रित करने वाले समूह द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल सीट क्षमता वर्ष 2023 में करीब 6.40 करोड़ थी जो बढ़कर चालू वर्ष में करीब 7.67 करोड़ हो चुकी है। टाटा समूह के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू यात्री सेवा के तहत सीट क्षमता पिछले साल करीब 4.58 करोड़ सीटों की थी जो 19 फीसदी बढ़कर 2024 में 5.47 करोड़ सीटों तक पहुंच चुकी है। यह विमानन कंपनियों की कुल घरेलू सीट क्षमता का 28 फीसदी से अधिक है। पिछले साल यह सभी विमानन कंपनियों की कुल सीट क्षमता का 25 फीसदी रहा था।

अंतरराष्ट्रीय परिचालन में भी टाटा समूह की विमानन कंपनियों ने अपनी सीट क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए टाटा समूह की विमानन कंपनियों की सीट क्षमता 2023 में करीब 1.81 करोड़ सीटों की थी जो 21 फीसदी बढ़कर 2024 में 2.19 करोड़ सीटों की हो चुकी है। दुनिया के सबसे भरोसेमंद एक विमानन विश्लेषण फर्म के अनुसार टाटा समूह मजबूत ग्राहक आधार के बावजूद 11.9 करोड़ सीटों के साथ चालू वर्ष को अलविदा करेगा जो पिछले साल के मुकाबले 9 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के अनुसार एयर इंडिया की सीट क्षमता इस साल 39 फीसदी से अधिक बढ़कर 2.35 करोड़ सीटों की हो गई। इसमें विस्तारा को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उसकी गणना अलग से की गई है। नई विमानन कंपनी आकासा ने अपनी सीट क्षमता में पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। इन विमानन कंपनियों की सीट क्षमता बढ़ने से घरेलू उड़ानों के लिए भारत की सीट क्षमता एक साल पहले के मुकाबले 6.84 फीसदी बढ़कर 19.35 करोड़ सीटों तक पहुंच चुकी है। गो फर्स्ट ने कोई उड़ान नहीं भरी और स्पाइसजेट एवं अलायंस एयर जैसी विमानन कंपनियों ने अपनी सीट क्षमता कम कर दी थी। समान अवधि में उड़ानों की संख्या 5.4 फीसदी बढ़कर 11.3 लाख तक पहुंच गई।

नियामक ने एआईएफ प्रो-रेटा डिस्ट्रीब्यूशन के लिए तय किए मानक

नये नियमों से निवेशकों को अधिक सुरक्षा और लाभ प्राप्त होगा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नया आदेश जारी किया है जिसके तहत वैकल्पिक निवेश फंड्स (एआईएफ) के लिए आनुपातिक वितरण सुनिश्चित किया गया है। इस नए आदेश से यह सुनिश्चित होगा कि निवेशकों को उनकी प्रतिबद्धताओं के अनुपात में लाभ पहुंचाया जाए। जब एआईएफ निवेशकों के अधिकारों एवं आय को प्रो-रेटा में वितरित करेगा, तो इससे निवेशकों को न्यूनतम और अधिकाधिक लाभ मिलेगा। इसे लेकर सेबी ने पिछले महीने एआईएफ नियमों में कई बदलाव किए थे और हाल ही में जारी किए गए सर्कुलर में सेबी ने विवरण दिया कि उन निवेशकों को छूट दी जाएगी जो निवेशकों की तरह उपयोगी होंगे जो अपने प्रतिबद्धताओं में गलती करें। लिमिटेड पार्टीयों (एलपी) के लिए भी सख्ती से कहा गया है कि वे अपने आनुपातिक अधिकारों से कम या अधिक लाभ स्वीकार कर सकते हैं। इसके साथ ही, सेबी ने फंड के प्रबंधकों, प्रायोजकों, फाइनैंशियल इंस्टीट्यूशंस को अधिक नुकसान साझा करने की अनुमति भी दी है। एक अन्य नई निर्देशिका के तहत, एक उद्योग निकाय को विशिष्ट अंतर संबंधित अधिकारों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिसे सेबी द्वारा पेश किया जा सकता है। यह नया आदेश निवेशकों के हित में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है जो वितरण के प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट और निष्पक्ष बनाएगा। इससे निवेशकों को अधिक सुरक्षा और लाभ प्राप्त होगा और वैकल्पिक निवेश फंड्स के क्षेत्र में सुधार होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीसरा टेस्ट : बारिश ने धोया पहला दिन, ऑस्ट्रेलिया 28-0

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। शनिवार को गाबा में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन लगातार बारिश ने खेल को रोक दिया। बारिश के कारण खेल रद्द होने से पहले ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए थे। उस्मान ख्वाजा 19 और नाथन मैकस्वीनी 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

बीसीसीआई ने जानकारी दी, 'आज का खेल बारिश के कारण रोक दिया गया है। खेल अब रविवार सुबह 9:50 बजे (स्थानीय समय) से शुरू होगा और हर दिन कम से कम 98 ओवर फेंके जाएंगे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बताया कि शनिवार के दिन के लिए खरीदे गए टिकटों की पूरी राशि लौटाई जाएंगी, क्योंकि केवल 15 ओवर से कम का खेल हो सका। बारिश के लंबे ब्रेक के चलते दर्शक मैदान छोड़कर चले गए। सीए की नीति के अनुसार, अगर 15 ओवर से कम खेल होता है और किसी भी दिन मैच का परिणाम नहीं निकलता, तो टिकट धारकों को पूरा रिफंड दिया जाता है।

शनिवार सुबह 9 बजे से ब्रिस्बेन में 66.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को 50त्न बारिश की संभावना है। सोमवार से बुधवार तक बारिश की संभावना और ज्यादा है, लेकिन यह स्थिति बदल भी सकती है।

इससे पहले, सुबह बादलों से घिरे मौसम में भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टीम में बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और आकाश दीप को अश्विन और हर्षित राणा की जगह शामिल किया गया। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने सही लाइन और लेंथ खोजने की कोशिश की, लेकिन पिच से सीम मूवमेंट नहीं मिला। उस्मान ख्वाजा ने सिराज की एक शॉर्ट बॉल को मिड-विकेट पर आसानी से चौके के लिए भेज दिया। बारिश ने पहली बार 5.3 ओवर के बाद खेल रोका, जिसके कारण खिलाड़ी 30 मिनट तक मैदान से बाहर रहे।

ब्रेक के बाद भारतीय गेंदबाजों ने फुलर गेंदें डालने की कोशिश की, जिससे कुछ मूवमेंट मिला। लेकिन ख्वाजा और मैकस्वीनी ने मजबूती से खेल जारी रखा। फिर बारिश के कारण जल्दी लंच कर दिया गया और और अंततः पूरे दिन का खेल खत्म कर दिया।

कार्ल हॉपकिंसन को मुंबई इंडियंस का नया फील्डिंग कोच बनाया गया

मुंबई (एजेंसी)। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने कहा कि टीम ने आईपीएल 2025 से पहले कार्ल हॉपकिंसन को अपना नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। हॉपकिंसन ने जेम्स पैमेंट की जगह ली है, जो सात साल तक मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे थे। न्यूजीलैंड के मूल निवासी पैमेंट 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की लगातार खिताबी जीत का हिस्सा थे। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने कहा, हम उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हॉपकिंसन ने हाल ही में इंग्लैंड के लंबे समय से चले आ रहे फील्डिंग कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया है, यह भूमिका उन्होंने 2018 में संभाली थी। वे 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड के वनडे विश्व कप और नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीत में शामिल थे। हॉपकिंसन वेस्टइंडीज में 2022 में अंडर19 विश्व कप में इंग्लैंड अंडर19 टीम के मुख्य फील्डिंग कोच भी थे, जहां वे 1998 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भारत के बाद उपविजेता रहे।

हॉपकिंसन ने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें 2,705 रन बनाए और 27.60 की औसत से रन बनाए, जिसमें तीन शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 1,400 रन और 28 टी20 मैचों में 165 रन बनाए,

इसके अलावा 2007 में काउंटी चैंपियनशिप जीतने वाली ससेक्स के अहम सदस्य भी रहे। फील्डिंग कोच के रूप में उनका काम अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में ससेक्स टीम के साथ शुरू हुआ, 2010 से टीम के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़े रहे।

आईपीएल 2025 के लिए, मुंबई के पास रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की मजबूत भारतीय चौकड़ी के साथ हार्दिक पांड्या कप्तान है। जेद्दा में पिछले महीने की मेगा नीलामी में, मुंबई ने ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपली जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया। उन्होंने दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ अल्लाह ग़ज़नफ़र, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया।

डब्ल्यूपीएल 2025 नीलामी आज , 120 खिलाड़ियों को खरीदने लगेगी बोली

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए नीलामी रविवार को बेंगलुरु में होगी। इस लीग में 120 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए पांच फ्रेंचाइजी नीलामी में उतरेंगी। नीलामी पूल में 91 भारतीय जबकि 29 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रहेंगे। इसमें एसोसिएट नेशंस की तीन उभरती हुई खिलाड़ी भी शामिल रहेंगी। नीलामी में उतर रही 30 खिलाड़ी (9 भारतीय, 21 विदेशी) कैप्ड हैं, जबकि (82 भारतीय, 8 विदेशी) सहित 90 अनकैप्ड हैं । अधिकतर फ्रेंचाइजी ने अपनी कोर टीमों को बनाए रखने केवल 19 स्लॉट खुले रखे हैं, जिनमें विदेशी खिलाड़ियों के लिए 5 शामिल हैं।

इस साल की नीलामी में डिएंड्रा डॉटिन (वेस्टइंडीज), हीथर नाइट (इंग्लैंड), ओर्ला प्रेंडरगास्ट (आयरलैंड), लॉरेन बेल (इंग्लैंड), किम गार्थ (ऑस्ट्रेलिया) और डेनियल गिब्सन (इंग्लैंड) जैसे खिलाड़ी भी शामिल रहेंगी।

नीलाम के लिए सबसे अधिक रकम गुजरात जायंट्स के पास 4.4 करोड़ रुपये है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 3.25 करोड़ रुपये, मुंबई इंडियंस के पास 2.65 करोड़ रुपये और दिल्ली कैपिटल्स के पास 2.5 करोड़ रुपये हैं। नीलामी दोपहर 3 बजे शुरू होगी जबकि प्रसारण 30 मिनट पहले शुरू होगा। नीलामी की लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी। इसके साथ ही इसका टीवी प्रसारण भी होगा।

महिला टी20 : खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम का सामना अब वेस्टइंडीज से

नवी मुंबई (एजेंसी)। लगातार आलोचना का सामना कर रही हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे मैच हारने के गम को भुलाकर रविवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन करके जीत की राह पर लौटना होगा।

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2019 से अब तक टी20 प्रारूप में सभी आठ मैच जीते हैं। लेकिन इस लय को बनाये रखने के लिये भारतीय टीम को आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा।

आस्ट्रेलिया में वनडे श्रृंखला के दौरान चयन के कई विवादित फैसलों के कारण हरमनप्रीत पर सवाल उठे हैं। देखना यह है कि कब तक चयनकर्ता उन पर भरोसा बनाये रखते हैं और स्मृति मंधाना को बागडोर सौंपने के लिये इंतजार करते हैं। टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारत की यह पहली टी20 श्रृंखला है। भारत ने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में हराया था लेकिन आस्ट्रेलिया में 3.0 से पराजय का सामना करना पड़ा।

हरमनप्रीत का अपना बल्लेबाजी फॉर्म चिंता का सबब है और कप्तानी में कुछ नया नहीं कर पाने से भी टीम की मुश्किलें बढी है। चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा को जगह नहीं दी है हालांकि भारत में टी20 क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। आस्ट्रेलिया में पर्थ में बुधवार को आखिरी वनडे हारकर लौटी भारतीय टीम को पर्याप्त आराम नहीं मिला है और उसे रविवार को यहां डी वाई पाटिल

स्टेडियम पर पहला मैच खेलना है।

तीनों मैच एक एक दिन के अंतराल पर होंगे जिसमें टीम की फिटनेस और मनोबल की कड़ी परीक्षा होगी। भारतीय टीम पूजा वस्त्राकर, श्रेयांका पाटिल, यास्तिका भाटिया, प्रिया पूनिया और शेफाली के बिना खेल रही है। शेफाली ने इस प्रारूप में 2024 में सर्वाधिक 531 रन बनाये हैं।

आस्ट्रेलिया दौरे पर उनका चयन इसलिये नहीं किया गया क्योंकि वनडे में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है लेकिन टी20 टीम में नहीं चुना जाना समझ से परे है। इससे रिचा घोष पर दबाव बढेगा जो निचले क्रम पर तेजी से रन बनाती है। पूनिया के भी चोट के कारण बाहर होने से घोष को पारी का आगाज करना होगा।

इसी तरह तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को भी नहीं चुना गया जिन्होंने तीन दिन पहले आस्ट्रेलिया में वनडे में चार विकेट लिये थे। टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। दूसर ओर वेस्टइंडीज ने इस साल 13 में से नौ टी20 मैच जीते हैं। उसने इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में हराया। उसे सीनियर हरफनमौला स्टेफानी टेलर की कमी खलेगी जो चोट के कारण बाहर हैं।

बुमराह जब परेशान हो उठे

ब्रिस्बेन । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन परेशान नजर आये। बारिश के कारया आज हालांकि काफी कम ओवर हुए। 4.5 ओवर के बाद ही बुमराह गाबा की पिच से परेशान हो गये। इस दौरान वह कहने लगे कि गेंद स्विंग नहीं ले रही और ये बात स्टंप माइक में भी कैद हो गयी। बुमराह जब टीम इंडिया के लिए पांचवा ओवर कर रहे थे तो उन्होंने गेंद को स्विंग कराने के लिए अपना पूरा जोर लगाया। ओवरकास्ट कंडीशन होने के कारण नई गेंद से उम्मीद की जा रही थी कि वह लहराएगी पर ऐसा कुछ नहीं हो रहा था जिससे बुमराह झुंझला गये और कहने लगे कि कि कही से भी गें कर रहा हूं ये स्विंग नहीं हो रही है। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है ।यहां टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश से प्रभावित रहा। खेल के पहले दिन सिर्फ 13.2 ओवर का खेल हो पाया। खेल के पहले ही घंटे में तेज बारिश शुरू हो गई।

बाबर टी20 में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

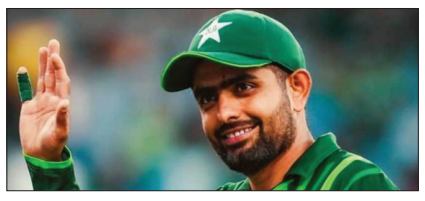

सेंचुरियन । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 31 रनों की पारी के साथ ही एक अहम अपने नाम कर ली है। बाबर अब टी20 प्रारुप में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपनी पारी के दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के आतिशी बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर ने यह रिकॉर्ड 298 पारियों में बनाया जबकि गेल को टी20 में 11000 रन बनाने के लिए 314 पारियां खेलनी पड़ी थीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने इस आंकड़े तक पहुंचने 330 पारियां जबकि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विरराट कोहली ने 337 पारियां खेली थीं। बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 20 गेंदों में 31 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 चौके और एक छक्का शामिल था। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड भारत के रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने टी20 इंटरनेशनल में 4231 रन बनाए हैं। वहीं बाबर को रोहित का रिकार्ड तोड़ने 10 रन की जरूरत है। बाबर ने 128 मैचों में 4221 रन बनाए हैं। बाबर के नाम टी20 अंतराष्ट्रीय में 3 शतक और 36 अर्धशतक है। बाबर इंटरनेशनल क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाले पाकिस्तान के पांचवें बल्लेबाज हैं। इस सूची में इंजमाम उल हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद हैं।

रीजा हेंड्रिक्स के शतक से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में भी पाक को हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त मिली

सेंचुरियन (एजेंसी)। रीजा हेंड्रिक्स 117 और रासी वान डर डुसन के 68 रनों की शानदार पारियों की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में भी पाकिस्तान को हरा दिया। इससे साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पाक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए युवा सलामी बल्लेबाज सैयम अयूब के 98 रनों और बाबर आजम के 31 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 206 रन बनाए। इस मैच में पाक कप्तान मोहम्मद रिजवान 13 गेंदों पर 11 रन ही बना पाये। अयूब ने 57 गेंदों पर 11 चौकों और 5 छक्कों की मदद से नाबाद 98 रन बनाए जबकि इरफान खान ने 16 गेंदों पर तेजी से 30 रन बनाये। बाबर ने भी 20 गेंदों पर 31 रन बनाये। मेजबान टीम की ओर से डी गलिऐम और ओर्टनिकल बार्टमैन ने दो दो विकेट लिए जबकि एक विकेट जॉर्ज लिंडे को मिला।

जीत के लिए मिले 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत शुरुआत अच्छी नहीं रही। दक्षिण अफ्रीका ने 28 के स्कोर पर ही दो विकेट खो दिये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज रीजा ने तेजी से रन बनाये। रीजा ने शुरुआती झटको को पीछे छोड़ते हुए डुसन के साथ पारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने स्कोर 185 रनों तक पहुंचाया। रीजा ने 63 गेंदों पर 117 रन बनाये इसमें 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे। वहीं डुसन 38 गेंदों पर नाबाद 66 रन बनाये कप्तान हेनरिक क्लासेन भी 8 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 19 ओवर और 3 गेंदों में ही 3 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में पाक की ओर से जुनैद खान ने 2 विकेट जबके अब्बास अफरीदी ने एक विकेट लिया। शाहीन अफरीदी को एक भी विकेट नहीं मिला।

अपने अंतिम टेस्ट में साउदी ने की गेल के एक रिकार्ड की बराबरी

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने अपने करियर के अंतिम टेस्ट मैच में अपनी पारी के दौरान ही वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल के 98 छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टेस्ट क्रिकेट में साउदी के भी नाम अब 98 छक्के हो गये हैं। साउदी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में जब बल्लेबाजी के लिए आये तो उन्हें अपने विदाई टेस्ट के लिए इंग्लैंड के खिलाड़ियों से गार्ड ऑफ ऑनर मिला। साउदी अपनी पारी की पहली गेंद पर बेन स्टोक्स की गेंद पर विफल रहे। वहीं स्टोक्स के अगले ओवर में ही साउदी ने मिड-विकेट और डीप स्कायर-लेग पर दो बड़े छक्के लगाये। अपनी धमाकेदार फॉर्म को जारी रखते हुए, साउदी ने गस एटकिंसन के अगले ओवर की पहली गेंद पर ही एक छक्का लगा दिया। साउदी 10 गेंदों में 23 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 230 रहा, जो न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा 10 गेंदों में तीसरी सबसे तेज टेस्ट पारी थी। सूची में दूसरा स्थान भी साउदी का ही है। उन्होंने साल 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 10 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाये थे। अपनी पारी के दौरान, साउदी दूसरे छक्के के साथ ही दक्षि अफ्रीका के जैक्स कैलिस के 97 की बराबरी पर आ गये। वहीं तीसरे छक्के के साथ ही वह क्रिस गेल के साथ चौथे स्थान पर आ गये।

इमाद के बाद आमिर ने भी संन्यास लिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में ऑलराउंडर इमाद वसीम के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूसरी बार संन्यास लिया है। इस प्रकार 24 घंटे के अंदर दो खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुरोध पर टी20 विश्व कप के लिए संन्यास से वापसी की थी पर उसमें ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। दोनों खिलाड़ियों ने उसी से निराश होकर खेल को अलविदा कहना ही बेहतर समझा। आमिर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पत्र लिखकर अपने संन्यास की घोषणा की है। आमिर ने लिखा कि उनके लिए पाकिस्तान की ओर से तीनों प्रारुपों में खेलना गर्व की बात है। आमिर ने लिखा कि संन्यास का ये फैसला मेरे लिए कठिन था पर उन्हें लगा कि संन्यास लेने का यही सही समय है। आमिर ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का अब समय आ गया है। आमिर ने साल 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते हुए 36 टेस्ट, 61 एकदिवसीय और 62 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 271 विकेट लिए है जबकि बल्लेबाज में 1179 रन बनाए हैं। जिसमें टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के रन शामिल है। आमिर के लिए टी20 विश्व कप 2024 अंतिम टूर्नामेंट रहा। आमिर से एक दिन पहले इमाद वसीम ने भी संन्यास की घोषणा की थी। इमाद के लिए टी20 विश्व कप

अंतिम टूर्नामेंट रहा। इमाद वसीम ने मई 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया के बाद से ही 55 एकदिवसीय और 75 टी20 अंतराष्ट्रीय मैचों में 117 विकेट लेने के साथ ही 1540 रन बनाये हैं।

संजीव गोयनका ने केएल राहुल को नहीं किया रिटेन, अब बताया राहुल वाकई में टैलेंटेड

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने केएल राहुल को रिटेन नहीं किया था। संजीव ने न ही उन्हें ऑक्शन में टीम में शामिल करने की कोशिश की थी। पिछली बार राहुल की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खराब था, इसकारण संजीव ने उन्हें फटकार भी लगा दी थी। हालांकि, ऑक्शन के कुछ दिन बाद संजीव ने कहा है कि राहुल टैलेंटेड हैं। लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कहा, राहुल हमेशा से मेरी फैमिली की तरह रहे हैं और हमेशा रहने वाले है। उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स की सिर्फ कप्तानी ही नहीं की है बल्कि उन्होंने परफॉर्म भी अच्छा किया है। मैं उनके लिए अच्छे फॉर्म के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक अच्छा इंसान है और अच्छी चीजें अच्छे इंसान के साथ होती है। उन्होंने कहा कि राहुल सच में टैलेंटेड है। मुझे उम्मीद है कि उनका टैलेंट टीम इंडिया के लिए जरूर काम आएगा। बता दें कि आईपीएल 2025 के लिए केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने टीम में शामिल किया है। ऋषभ पंत के बाहर होने के कारण वह टीम की कमान भी संभाल सकते हैं। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम- अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अविषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, टी नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा का नाम शामिल है।

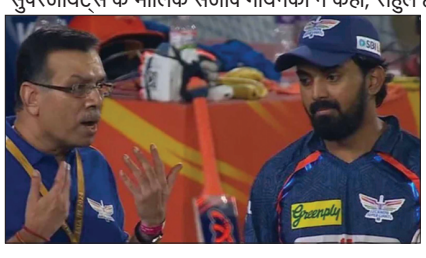

मलाल तो है, लेकिन कोशिश करूंगा, टीम इंडिया में वापसी करूंगा: रजत पाटीदार

बेंगलुरू (एजेंसी) । रजत पाटीदार का अंतरराष्ट्रीय करियर उस तरह आगे नहीं बढ़ पाया जैसा वह चाहते थे लेकिन मध्य प्रदेश के बल्लेबाज को घरेलू मैचों के जरिए फिर से मौका हासिल कर भारतीय टीम की जर्सी पहनने का भरोसा है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पाटीदार 6 पारियों में केवल 63 रन बना सके थे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि रणजी ट्रॉफी के शुरुआती चरण और मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल की पूर्व संध्या पर शनिवार को यहां कहा कि मुझे टेस्ट टीम में जगह बनाकर अच्छा लगा था। मुझे हालांकि कभी-कभी बुरा लगता है कि मैं मौके को भुना नहीं पाया। कभी-कभी चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं और यह ठीक है। पाटीदार ने अपनी 'असफलता% स्वीकार कर ली है और उस निराशा को पीछे छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि चीजों को स्वीकार करना सफलता की ओर बढ़ने का पहला कदम है। आपको यह स्वीकार करना होगा कि क्रिकेट यात्रा में असफलता मिलेगी। इसलिए, मेरे लिए इसका सामना करना और इससे सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मैंने इसे स्वीकार कर लिया है और मैं आगे बढ़ रहा हूं। यह खेल का अहम हिस्सा है। मैं मौके को दोबारा बना सकता हूं।

इस 31 साल के खिलाड़ी ने घरेलू टूर्नामेंटों में लगातार रन बनाकर एक पहला कदम उठा लिया है। मध्यप्रदेश के कप्तान ने पांच रणजी ट्रॉफी मैचों में 53.37 की औसत से एक शतक और एक अर्धशतक के साथ 427 रन बनाए हैं। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में अजिंक्य रहाणे (432) और बिहार के साकिबुल गनी (353) के बाद तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने नौ मैचों में 182.63 के स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतक के साथ 347 रन बनाए हैं।

दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें वापसी के लिए अपने कौशल पर भरोसा है। पाटीदार ने कहा कि मैं बल्लेबाजी में अपने मजबूत पक्ष पर भरोसा कर उसी मुताबिक खेलने पर ध्यान दे रहा हूं। मैं बस उसी परिपाटी का पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं जो मैंने आईपीएल में किया था। उन्होंने कहा कि मेरा मंत्र एक समय में एक गेंद खेलना है। मैं अपनी टीम के लिए प्रतिद्वंद्वी पर अपना प्रभाव डालने की कोशिश करता हूं। मैं बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश नहीं करता। मैंने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया। आगामी आईपीएल में पाटीदार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

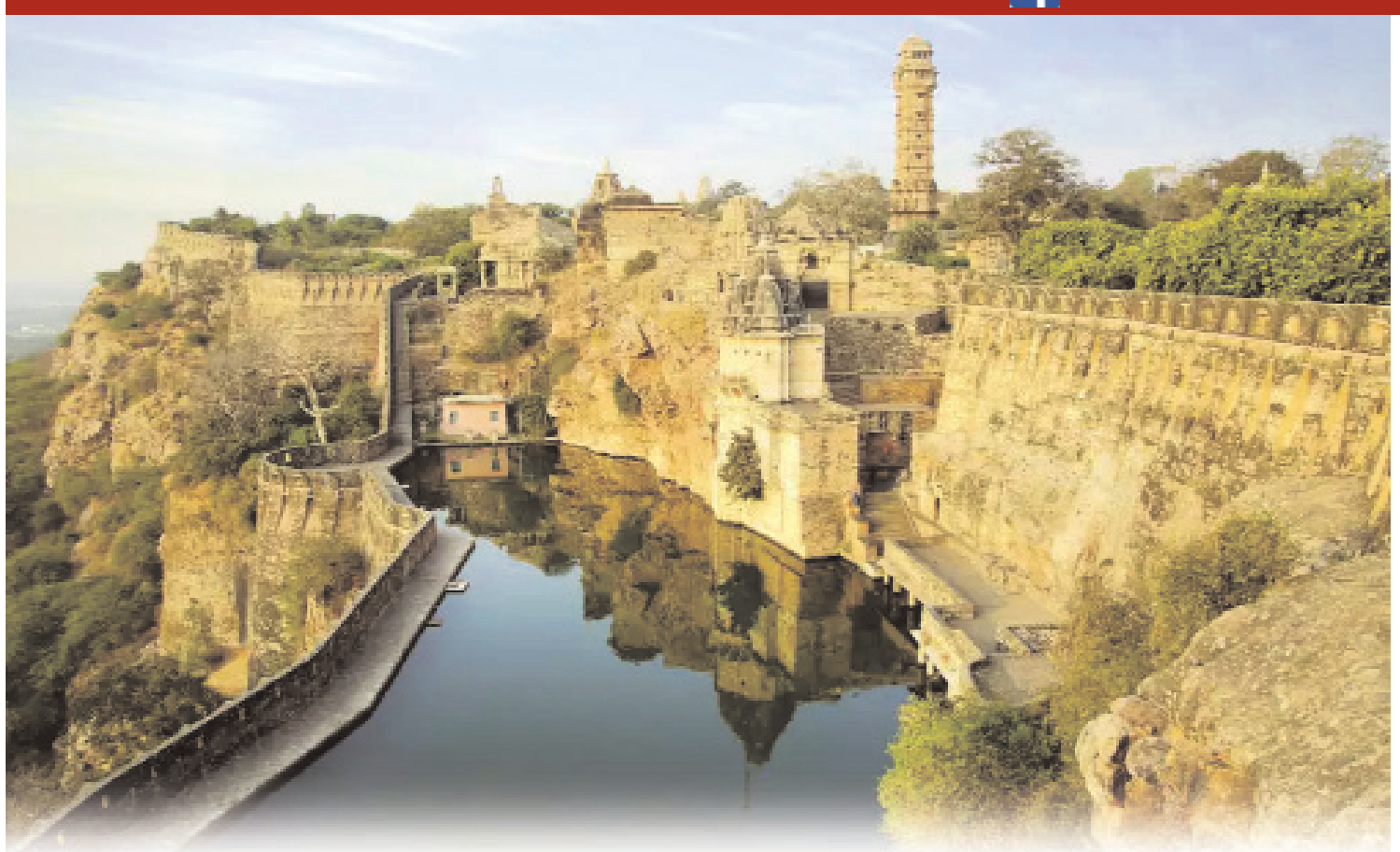

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चित्तौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

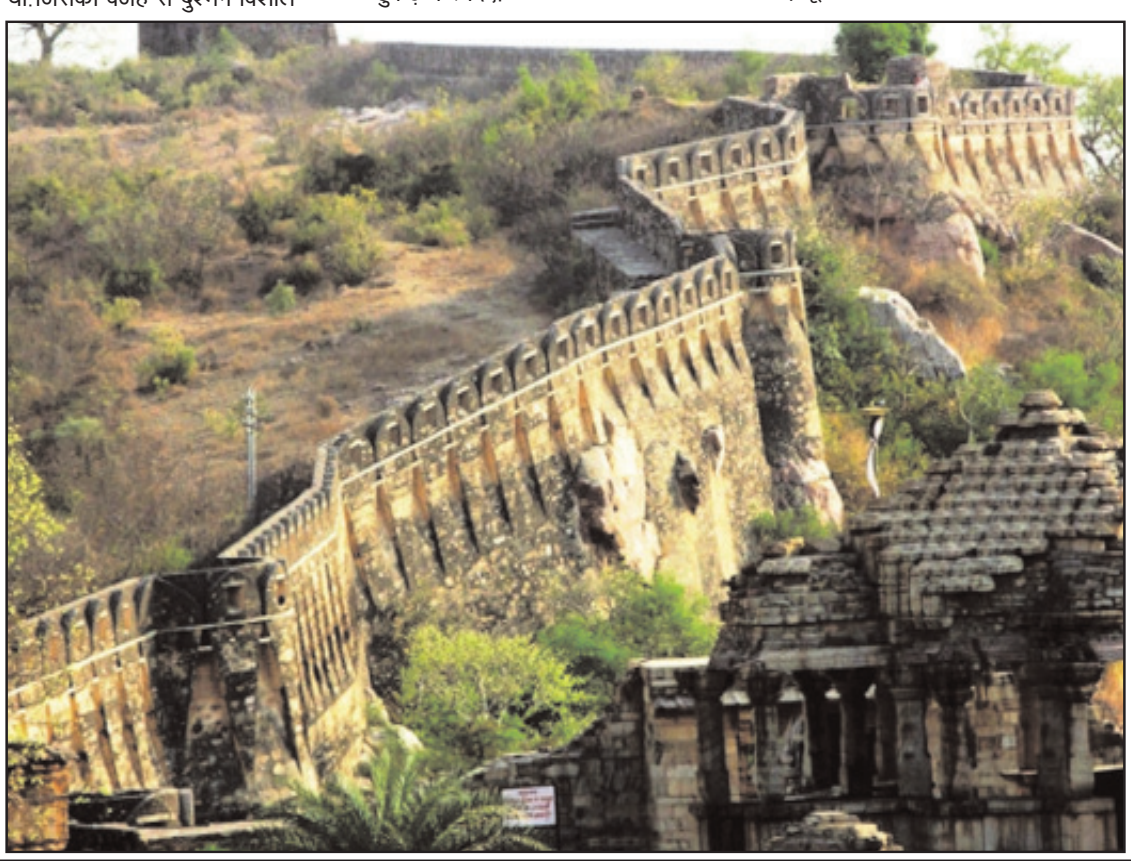

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा?

मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चितौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चितौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महुआ मोइत्रा का आरोप, बीते 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को खत्म किया गया

नई दिल्ली । टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर संविधान में हजारों कटौती करके खून बहाने का आरोप लगाकर कहा कि यह साफ है कि राजनीतिक कार्यपालिका ने बीते 10 वर्षों में व्यवस्थित रूप से लोकतंत्र को खत्म किया है। लोकसभा में बहस के दौरान टीएमसी सांसद मोइत्रा ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधकर कहा कि विपक्ष को परेशानी इससे है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य समझौता करने की पूरी कोशिश करते नजर आते हैं। निवर्तमान सीजेआई ने स्पष्ट रूप से बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान जमानत का अधिकार कैसे दिया गया है। अर्णब के लिए ए से लेकर जुबैर के लिए जेड तक, उनके अक्षर संक्षिप्त प्रतीत होते हैं क्योंकि इसमें गुलफिशा फातिमा के लिए जी शामिल नहीं था, हनी बाबू के लिए एच शामिल नहीं था, खालिद सैफी के लिए के शामिल नहीं था, शरजील इमाम के लिए एस शामिल नहीं था। उन्होंने कहा कि विपक्ष में हमें अपना काम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की जरूरत नहीं है। हम इसे (ऐसा करने के लिए) नहीं कह रहे हैं, लेकिन हमें परेशानी यह है कि उच्च न्यायपालिका के कुछ सदस्य हमारी संवैधानिक अदालतों की स्वतंत्रता और अखंडता से समझौता करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

जंगली मुर्गा खाकर विवादों में फिर घिरे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के दूर-दराज के इलाके टिक्कर में लोगों के साथ रात्रि भोज किया, जिससे वे फिर विवादों में घिर गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि भोजन में संरक्षित पक्षी प्रजाति जंगलफाउल परोसा गया। बीजेपी नेता ठाकुर ने रात्रिभोज का एक कथित वीडियो साझा कर सरकार पर सरकारी खजाने की कीमत पर पिकनिक आयोजित करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने लिखा कि जो लोग जंगली मुर्गियों की संरक्षित प्रजातियों का सेवन करते हैं, उन्हें जुर्माना और जेल की सजा होती है। हालाँकि, सीएम सूक्खू चिकन परोसने के लिए मैनू छपवाते हैं और फिर अपने मंत्रियों को अपने सामने इसका स्वाद लेकर देखकर आनंद लेते हैं। कथित वीडियो में हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.(कर्नल) धनी राम शांडिल सुक्खू के बगल में बैठे दिख रहे हैं। विवाद के बाद सीएम सुक्खू का बयान आया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण मुझे देशी चिकन दे रहे थे, मैं चिकन नहीं खाता और एक चैनल इस प्रसारित कर रहा था जैसे मैं चिकन खा रहा हूं। पहाड़ों में मांसाहारी भोजन जीवन का एक हिस्सा है। इस पर जयराम ठाकुर बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच, भाजपा नेताओं ने रात्रिभोज के कथित मेनू की एक प्रति साझा की, जिसमें बताया गया कि मेनू में आइटम नंबर 12 जंगली मुर्गा या जंगलफॉवल था। भाजपा प्रवक्ता करण नंदा और चेतन बरागटा ने सुक्खू से स्पष्टीकरण की मांग की।

नए साल में क्लब और होटलों में जरुरत से ज्यादा भीड़ तो निरस्त होगी अनुमति

-हथियार ले जाने पर भी बैन, पुलिस आयुक्त ने जारी की गाइड लाइन

आगरा। नए साल पर क्लब और होटलों में जरुरत से ज्यादा भीड़ मिली तो उसकी अनुमति निरस्त हो जाएगी। वहीं जिन क्लब और होटलों में कपल को जाने की अनुमति है, वहां अकेले युवक या युवती के जाने पर बैन रहेगा। क्लब और होटलों में हथियार ले जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। नए साल की तैयारी में जुटे क्लब और होटलों के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड ने यह गाइड लाइन जारी की है। ताजनगरी आगरा में नए साल की पूर्व संध्या पर सितारा होटलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में देश और विदेश से पर्यटक आते हैं। शहर के लोग भी जोश और उमंग से नए साल का स्वागत करते हैं, जिससे देर रात तक सड़कों पर आना जाता रहता है। इस दौरान कुछ युवा नशे में तेज रफ्तार वाहन दौड़ाते हैं, जिससे हादसों की आशंका रहती है। इसको देखते हुए पुलिस आयुक्त ने गाइड लाइन तैयारी की है।

झारखंड में मवेशी तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार, 46 मवेशी बरामद

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में पुलिस ने मवेशी तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 46 मवेशियों को बचाया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर भुरकुंडा जंगल के रास्ते मवेशियों को पश्चिम बंगाल ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी सूचना पर कार्रवाई करने के लिए सरायकेला के एसडीपीओ समीर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद गांव के पास कुंदुसल गोलचक्कर पर पुलिस टीम ने जांच अभियान चलाया। जांच अभियान के दौरान उन्होंने कुछ तस्करों को सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई से मवेशियों को पड़ोसी राज्य की ओर ले जाते हुए देखा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया, जबकि कुछ अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने मौके से 46 मवेशियों को जब्त किया। इस संबंध में झारखंड मवेशी वध निषेध अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान टोनी बोडरा (23), राउतु सामद (41), मोटू पूर्ती (20) और सोमई बोडरा (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है। पुलिस की सक्रियता से पशु तस्करों के मंसूबों पर भी पानी फिर गया।

एक देश एक चुनाव पर यूपी में राजनीति शुरु, अखिलेश ने ड्राफ्ट पढ़े बिना खामियां गिनाना शुरु कीं

कांग्रेस ने कहा भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। मायावती की पार्टी बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है। वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश-एक चुनाव का सिस्टम पंसद नहीं आ रहा है। अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात शुरु कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि एक देश-एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो सकती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा। मगर इस बीच सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पड़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिए जुट गए हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐसा असंभव लगाता है।

सपा सूत्रों के मुताबिक मामले में अखिलेश ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके। उधर, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक देश-एक चुनाव के द्वारा भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी। मोदी व यूपी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा का झूठ उजागर हो चुका है। बता दें कांग्रेस और सपा से इतर बसपा सुप्रीमों मायावती एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर चुकी हैं। बीते सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि इस पर उनकी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर बसपा अपने पुराने स्टैंड पर ही कायम रहेगी।

वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि पूर्व में कांग्रेस के समय में भी एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था को लागू करने के प्रयास हुए थे। आज भले ही विपक्ष इस व्यवस्था को संविधानी ढांचे के विरुद्ध बताए, लेकिन ऐसा है नहीं। विपक्ष यह कह रहा है कि अगर कोई सरकार दो साल बाद गिर जाती है, तब क्या होगा। केंद्र इसके लिए नियमों में संशोधन भी करेगी। इसके लागू होने से विकास कार्य को गति मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के ही प्रो. सौरभ मालवीय का भी कहना है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से देश का खर्च और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को भी कार्य

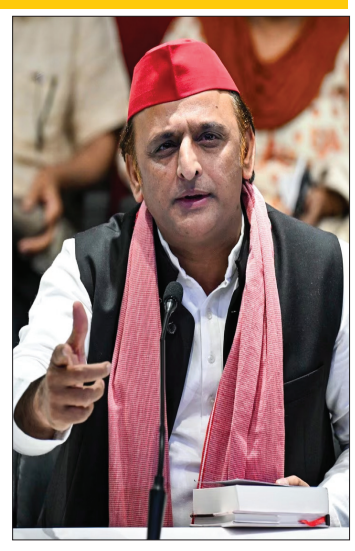

में सुविधा होगी।

महायुति गठबंधन पर संजय राउत का कटाक्ष, संघ मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर कटाक्ष कर कहा कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का जुलूस निकालना चाहिए और ईवीएम मंदिर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक के दौरान उन्हें नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय के सामने ईवीएम मंदिर के निर्माण की घोषणा करनी चाहिए। संजय राऊत ने कहा कि मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री को जुलूस निकालने से पहले उन्हें ईवीएम का जुलूस निकालना चाहिए और पहली कैबिनेट में उन्हें संघ मुख्यालय के सामने ईवीएम का मंदिर बनाने का निर्णय लेना चाहिए। राऊत ने कैबिनेट जिम्मेदारियों पर निर्णय नहीं ले पाने को लेकर नवगठित सरकार पर निशाना साधा। राज्य में हो रही हत्याओं और बलात्कारों का आरोप लगाकर राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में अराजकता का माहौल है। संजय राउत ने कहा कि राज्य में नई सरकार बने एक महीना हो गया है लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि किसके पास कौन सा विभाग है। महाराष्ट्र के गांवों में हर दिन हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं, इसका जवाब सीएम नहीं दे पा रहे हैं। ये सरकार ईवीएम से बनी है, इनके पास दिमाग नहीं है, इनके दिमाग में ईवीएम है।

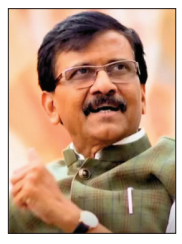

जेल से बाहर आते ही अल्लू अर्जुन बोले सॉरी- मैं कानून में यकीन रखता हूं

हैदराबाद (एजेंसी)। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को तेलंगाना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आज सुबह हैदराबाद सेंट्रल जेल से रिहाई मिल गई। जेल से बाहर निकलने के बाद अल्लू अर्जुन ने मीडिया संग बातचीत की। उन्होंने कहा- चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं। मैं कानून में यकीन रखता हूं। अदालत में यह केस चल रहा है तो मैं बीच में कमेंट नहीं करूंगा। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मैं पुलिस के साथ सहयोग करूंगा।

एक्टर के पिता अल्लू अरविंद और ससुर कंचरला चंद्रशेखर उन्हें रिसीव करने पहुंचे थे। अल्लू अर्जुन की रिहाई से उनके फैन्स बेहद खुश हैं। जेल से रिहा होने के बाद अल्लू अर्जुन परिवार के पास अपने घर पहुंच गए हैं। घर पहुंचने पर उन्होंने सभी फैन्स का उनके प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया। जिस महिला की जान गई है उनके परिवार के साथ मेरी संवेदना है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। मैं परिवार को हर संभव तरीके से सहायता देने के लिए मौजूद रहूंगा। सभी के प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं आज यहां आप लोगों के सपोर्ट की वजह से हूं। मैं अपने फैन्स का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। बता दें कि 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की जान चली गई थी। इसी मामले में एक्टर अल्लू अर्जुन को बीती रात (13 दिसंबर) को गिरफ्तार किया गया था। अल्लू अर्जुन को 14 दिन की रिमांड पर भेजे जाने के बाद उन्हें शुक्रवार को चंचलगुडा सेंट्रल जेल ले जाया गया था। बाद में तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत दे दी थी।

अडानी मुद्दे पर शरद पवार ने भी छोड़ा कांग्रेस का साथ, अकेले पड़े राहुल गांधी

टीएमसी ने कहा-एक उद्योगपति पर चर्चा करने से ज्यादा कई अहम मुद्दे भी हैं

मुंबई (एजेंसी)। अडानी मुद्दे पर कांग्रेस अब अकेली पड़ती नजर आ रही है। अब इंडिया गठबंधन के साथ शरद पवार की पार्टी ने भी इस मामले में बढ़ते अलगाव का संकेत दिया है। एनसीपी शरद पवार ने कहा कि संसद के समय का बेहतर उपयोग होगा अगर वह किसानों और युवाओं के मुद्दों पर चर्चा करे, न कि व्यापारी के साथ संबंधों की। कांग्रेस के सहयोगी टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी) और समाजवादी पार्टी ने अभी तक इस मुद्दे से दूरी बना रखी है, केवल कांग्रेस ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया है।

टीएमसी ने कहा है कि उद्योगपति गौतम अडानी पर चर्चा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। अब शरद पवार के भी कांग्रेस के से पल्ला झाड़ने के बाद कांग्रेस पर दबाव बढ़ सकता है और वह अडानी मुद्दे से पीछे हट सकती है। शुक्रवार को लोकसभा में संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर बहस हुई थी। एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि संविधान ने संसद को संवैधानिक प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया

है। दुर्भाग्य से, कई बार हम अनुभव करते हैं कि इसे राजनीतिक युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है। व्यक्तिगत टिप्पणियों के कारण संसद को कई बार स्थगित किया जाता है।

सांसाद कोल्हे ने कहा कि हमें इस बात की ज्यादा चिंता होनी चाहिए कि हमारे किसानों और युवाओं की आवाज यहां उठती है या नहीं, बल्कि एक राजनीतिक नेता का एक कॉरपोरेट के साथ क्या संबंध है, कौन सा नेता किसी के पलायन में कहां गया है, या किस विदेशी नेता ने एक स्थानीय नेता को चंदा दिया है। हम राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं, न कि राजनीतिक नारों पर। यह कुछ ऐसा है जिससे सरकार और विपक्ष दोनों को अवगत होना चाहिए। सांसद सुप्रिया सुले जो कोल्हे के बगल में बैठी थीं, पूरे भाषण के दौरान अपनी सहमति जताती रहीं।

एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, शरद पवार के भतीजे ने हाल ही में कहा था कि पांच साल पहले अडानी ने बीजेपी और एनसीपी के बीच महाराष्ट्र सरकार गठन की बात करवाई थी। यह तब था जब 2019 में महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन की जीत के बाद शिवसेना के एनडीए से बाहर निकलने के बाद अजीत पवार ने देवेंद्र फडणवीस के साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बुधवार को संसद को बाधित करने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों को जिम्मेदार ठहराया है। बनर्जी ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के अटकने की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि हम यहां कुछ काम करने आए हैं। अडानी मुद्दा ही एकमात्र मुद्दा नहीं है। इतने सारे मुद्दे हैं। कांग्रेस अडानी से जुड़ी हुई है और बीजेपी जॉर्ज सोरोस से जुड़ी हुई है। क्या इसका मतलब यह है कि अन्य सभी मुद्दे दूर हो जाएंगे।

दिल्ली के स्कूल को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली । शनिवार को फिर दिल्ली के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके साथ ही ये इस सप्ताह दिल्ली के स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजने की तीसरी घटना है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने कहा, हमें सुबह 6:09 बजे डीपीएस आरके पुरम में बम होने की धमकी के बारे में फोन आया। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग, स्थानीय पुलिस, डॉग स्क्वायड और बम का पता लगाने वाली टीमें स्कूल पहुंचीं और तलाशी अभियान शुरू किया। जांच के लिए पहुंची पुलिस ने बताया कि स्कूल से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है, लेकिन तलाशी जारी है। इसके पहले शुक्रवार को, करीब 30 स्कूलों को ईमेल पर बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद कई एजेंसियों ने उनके परिसरों की तलाशी शुरू कर दी। इससे पहले, सोमवार को करीब 44 स्कूलों को इसी तरह के ईमेल मिले थे। तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध न मिलने पर पुलिस ने उन धमकियों को अफवाह करार दिया था।

अतुल सुभाष केस: आरोपी निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दी अग्रिम जमानत की याचिका

इलाहाबाद (एजेंसी)। बेंगलुरू में काम कर रहे एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास, साले और चाचा ससुर ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चौखट पर पहुंच गए है। आरोपी पत्नी निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चारों की अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। अब बुधवार को याचिका पर अदालत में सुनवाई हो सकती है।

बता दें कि पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर सुसाइड करने वाले अतुल ने डेढ़ घंटे के वीडियो के साथ 23 पेज का एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था। इसमें उन्होंने शादी की शुरुआत से लेकर पत्नी से विवाद के बाद खुद पर लगे एक-एक केस और सुसाइड की ओर ढकेलने वाले हर प्वाइंट को विस्तार से समझाया था। अतुल ने आत्महत्या से पहले खुद पर दहेज उत्पीड़न से लेकर हत्या सहित कई मामले दर्ज करने से लेकर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, साले अनुराग और पत्नी के चाचा सुशील पर लगाया है।

उधर जांच के लिए बेंगलुरु पुलिस की एक टीम यूपी के जौनपुर पहुंची थी जहां पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा, साला और अन्य लोग रहते हैं। हालांकि, जब पुलिस वहां पहुंची तब घर पर ताला लटका मिला। क्योंकि, निकिता की मां निशा और उसका भाई अनुराग एक दिन पहले ही घर बंद कर रात में कहीं ओर चले गए है। इसके बाद बेंगलुरु पुलिस ने घर पर नोटिस चस्पा कर दिया था। नोटिस में लिखा था कि बेंगलुरु में दर्ज केस में अपना बयान दर्ज करवाएं। इसी नोटिस के बाद अब निकिता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दी है।

अतुल सुभाष पर अब भी तीन मुकदमे

बता दें कि अतुल पर पत्नी निकिता की ओर से जौनपुर अदालत में कुल पांच मुकदमे दायर किए गए थे। जिसमें निकिता ने तलाक का मुकदमा और सीजेएम कोर्ट में हत्या, मारपीट और अप्राकृतिक यौन संबंध के मुकदमे को बाद में वापस ले लिया था।

एक साथ चुनाव कराने से देश का संघीय ढांचा कमजोर होगा : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा देश के संघीय ढांचे को कमजोर करती है। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''दुर्भाग्य से, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की यह सरकार दिन-प्रतिदिन भारत के संविधान को नष्ट कर रही है। भारत एक संघीय देश है, जिसका एक संघीय ढांचा है। एक देश, एक चुनाव की बात करके आप संघीय ढांचे को कमजोर कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि राजग सरकार 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात करती है, लेकिन वास्तव में वे देश को पीछे ले जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे 2047 की

बात करते हैं, लेकिन वे पीछे की ओर जा रहे हैं। देश के स्वतंत्र होने के बाद शुरुआती वर्षों में एक देश, एक चुनाव था। इसके बाद, क्षेत्रों के बीच सत्ता का वितरण हुआ और संघीय ढांचे का जन्म हुआ। वे हमें उसी तानाशाही की ओर वापस ले जाना चाहते हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत ही गलत है।'' इससे पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की एक बैठक में पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और पीडीपी, दोनों कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के लोगों से पीडीपी के एजेंडे से समझौता नहीं करने की अपील करते हुए कहा, ''लेकिन, मैं आपको बताना चाहती हूं कि पीडीपी कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के लिए अस्तित्व में आई है।'' मुफ्ती ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार कैदियों की रिहाई, बिजली, आरक्षण आदि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चुप है। उन्होंने कहा, ''हम सरकार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्हें लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

भारत में कम विदेश में ज्यादा घूमना पसंद कर रहे भारतीय पर्यटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल सर्दियों में भारतीय सैलानी भारत में कम और विदेश जाने की ज्यादा बुकिंग करा रहे हैं। यात्रा ऐप 'इक्सिगो' और ऑनलाइन बस टिकट बुकिंग ऐप 'अभीबस' ने एक संयुक्त रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें कहा गया है कि कुछ देश हैं जो बार हॉट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल सर्दियों के दौरान थाइलैंड, वियतनाम, लंदन और बाली शीर्ष विदेशी यात्रा स्थलों में उभरे हैं। इन स्थानों के लिए उड़ान बुकिंग में 80-100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इक्सिगो ने कहा कि इसके साथ ही शिरडी, तिरुपति, अमृतसर और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक स्थलों के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 22 प्रतिशत से लेकर 669 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। आंकड़ों में बताया गया कि 20 दिसंबर, 2024 से दो जनवरी, 2025 तक बैंकॉक, फुकेट, अबू धाबी, कोलंबो, सिंगापुर, लंदन, वियतनाम, बाली और दुबई जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की यात्रा के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 48-174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर सुंदर ठंडे परिदृश्य और बर्फबारी के आकर्षण के कारण इस मौसम में अधिक यात्री पहाड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और देहरादून जैसे उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी स्टेशनों पर उड़ान बुकिंग में वृद्धि देखी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, हवाई किराये (एकतरफा) के संदर्भ में, मुंबई-हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) जैसे कुछ मार्गों पर 30 दिन की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर छह प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है, जबकि मुंबई-फुकेट जैसे अन्य मार्गों पर 47 प्रतिशत तक की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर, मुंबई-लंदन मार्ग पर प्रस्थान के लिए हवाई किराये में सालाना 46 प्रतिशत की गिरावट आई है। नई दिल्ली-हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर हवाई किराये में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एकतरफ़ा हवाई किराये की गणना 24 दिसंबर, 2023-एक जनवरी, 2024 के प्रस्थान के लिए और 24 दिसंबर, 2024-एक जनवरी, 2025 के प्रस्थान के लिए की गई है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू स्तर पर हवाई किराये (एकतरफा) के मामले में, दिल्ली-हैदराबाद (प्रस्थान) जैसे मार्गों पर 30 दिन की एपीडी आधार पर पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बेंगलुरू-लखनऊ और पुणे-नई दिल्ली मार्गों पर यह वृद्धि मात्र तीन प्रतिशत रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मेक्सिको अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा, चाहे अमेरिका किसी को भी राजदूत चुने : राष्ट्रपति शिनबाम

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उनका प्रशासन देश की संप्रभुता की रक्षा करेगा, भले ही अमेरिका मेक्सिको में राजदूत के रूप में किसे भी चुने। उनका यह बयान अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई नवीनतम नियुक्ति के बाद आया है। राष्ट्रपति ने बुधवार को नेशनल पैलेस में अपनी नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, इस राजदूत या किसी अन्य के साथ, हम अपनी संप्रभुता और बराबरी के दर्ज का रक्षा करेंगे। शिनबाम ने कहा कि उन्हें, विश्वास है कि समझौता होने जा रहा है और उन्हें पता होना चाहिए कि हम हमेशा मेक्सिको की रक्षा करेंगे और खुद को केवल संयुक्त राज्य अमेरिका की जरूरतों के अधीन किए बिना इसे गौरवान्वित करेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय एजेंडे के आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया, जिसमें अमेरिका से मैक्सिको में हथियारों की तस्करी से निपटना भी शामिल है। ट्रंप ने मंगलवार शाम को अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क के माध्यम से घोषणा की थी कि मेक्सिको में उनके राजदूत रिटायर्ड कर्नल रोनाल्ड जॉनसन होंगे। वह एक पूर्व सीआईए अधिकारी और सेना के स्पेशल फोर्स अधिकारी हैं। जॉनसन ने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अल साल्वाडोर में राजदूत के रूप में कार्य किया था। ट्रंप के मुताबिक, जॉनसन अमेरिका प्रथम विदेश नीति के माध्यम से हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे महान विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ मिलकर काम करेंगे।

एच-1बी : जीवनसाथियों के लिए वर्क परमिट अवधि 540 दिन होगी, 13 जनवरी से प्रभावी होंगे बदलाव

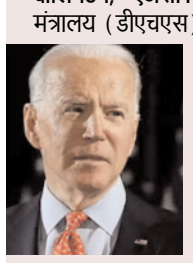

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय (डीएचएस) एच-1बी और एल-1 वीजा धारकों के जीवनसाथियों के लिए स्वचालित वर्क परमिट नवीनीकरण अवधि को 180 दिनों से बढ़ाकर 540 दिन करने जा रहा है। यह बदलाव 13 जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगे और 4 मई, 2022 को या उसके बाद दाखिल किए गए आवेदनों पर लागू होंगे। इस विस्तार का मकसद प्रसंस्करण में देरी के कारण काम में रुकावटें रोकना है। भारतीयों को इस संसोधन से काफी फादा होगा। अमेरिका में ग्रीन कार्ड चाहने वाले एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथी (एच-4 वीजा) तथा एल-1 वीजा धारकों के जीवनसाथी (एल-2 वीजा) वर्क परमिट के लिए पात्र हैं। डीएचएस मंत्री एलेजांद्रो एन. मयोरकास ने कहा, जनवरी 2021 से, अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने 1.6 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा की हैं और गृह सुरक्षा मंत्रालय व्यवसायों को उन्हें भरने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। कुछ रोजगार प्राधिकरण दस्तावेजों के लिए स्वचालित विस्तार अवधि बढ़ाने से लालफीताशाही को खत्म करने में मदद मिलेगी जो नियोक्ताओं पर बोझ डालती है। यूएससीआईएस के निदेशक उर एम. जादौ ने कहा, हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए आव्रजन प्रणाली में बाधाओं व बोझ को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह अंतिम नियम अमेरिकी नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों को बेहतर तरीके से बनाए रखने में निश्चित ही सार्थक ढंग से मदद करेगा।

न्यूयॉर्क राजमार्ग पर विमान दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। हैरिसन में अंतरराज्यीय राजमार्ग - 684 पर शाम करीब सात बजे यातायात अवरुद्ध हो गया। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में क्षतिग्रस्त सफेद विमान मध्य में रेलिंग के पास खड़ा दिखा और आपातकालीन वाहनों ने यातायात को अवरुद्ध कर दिया है। वेस्टचेस्टर काउंटी में न्यूयॉर्क राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण उस पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। विमान में दो लोग सवार थे। दुर्घटना के कारण मैनहट्टन से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर-पूर्व की ओर हैरिसन में अंतरराज्यीय राजमार्ग - 684 पर शाम करीब सात बजे यातायात अवरुद्ध हो गया। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में क्षतिग्रस्त सफेद विमान मध्य में रेलिंग के पास खड़ा दिखा और आपातकालीन वाहनों ने यातायात को अवरुद्ध कर दिया है। गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि हादसे के बाद विमान के ईंधन को साफ करने के लिए पर्यावरण संरक्षण विभागके कर्मी मौके पर हैं।

भारतीय फिल्म को मिला टीवी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी पुरस्कार

लंदन, एजेंसी। भारतीय फिल्म 'द कुंबाया स्टोरी' ने लंदन में प्रतिष्ठित ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार (बाफ्टा) में आयोजित '13वें टीवीई ग्लोबल सस्टैनबिलिटी फिल्म पुरस्कार' (जीएसएफए) में ट्रॉफी अपने नाम की है। कुंबाया प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्मित फिल्म ने बीती रात आयोजित कार्यक्रम में 'ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटी शॉर्ट फिल्म' श्रेणी में यह पुरस्कार जीता है। टीवीई जीएसएफए की संस्थापक सुरीना नरूला ने विजेताओं को 'फाउंडर्स अवार्ड' प्रदान किया।

ट्रंप के टैरिफ लगाने के जवाब में कनाडा भी उठा सकता है सख्त कदम, ऊर्जा की सप्लाई रोकने पर विचार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात कही थी। अब खबर आई है कि कनाडा की सरकार भी ट्रंप के ऐसे किसी कदम पर सख्त कदम उठा सकती है। दरअसल कनाडा के विभिन्न राज्यों के प्रीमियर्स (सीएम) ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को सलाह दी है कि अगर अमेरिका, कनाडा पर टैरिफ लगाने का फैसला करता है तो कनाडा को भी तीखा पलटवार करना चाहिए। कुछ प्रीमियर्स ने कनाडा से अमेरिका को होने वाली ऊर्जा की सप्लाई बंद करने की भी सलाह दी है।

अमेरिका-कनाडा में बढ़ सकता है तनाव : कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को देश के विभिन्न राज्यों को प्रीमियर्स के साथ बैठक की। इस बैठक में डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के कदम के जवाब पर चर्चा की गई। ट्रंप के कनाडा पर टैरिफ लगाने के बयान के बाद यह दूसरी ऐसी बैठक थी, जिसमें कनाडा द्वारा अमेरिका के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड भी थीं। बैठक के दौरान कई प्रीमियर्स ने अमेरिका के खिलाफ सख्त कदम उठाने की ट्रूडो सरकार को सलाह दी।

अमेरिका की ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह : कनाडा की वित्त मंत्री ने बैठक के बाद बताया कि कुछ राज्यों के प्रीमियर्स ने उन उत्पादों की पहचान करने और उनका निर्यात रोकने की सलाह दी है, जो कनाडा से अमेरिका को निर्यात किए जाते हैं और जो अमेरिका के लिए अहम हैं। कनाडा द्वारा काफी मात्रा में अमेरिका को तेल, नेचुरल गैस और बिजली की सप्लाई की जाती है। कुछ प्रीमियर्स ने अमेरिका की ये ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह दी।

ट्रंप ने दिया था ये बयान : उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने एक बयान में कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सामान पर 25 फीसदी तक टैरिफ लगाने की बात कही थी। ट्रंप ने कहा था कि जब तक ये देश अपने सीमा से होने वाली ड्रग्स की सप्लाई और अवैध अप्रवासियों को नहीं रोकते हैं, तब तक वे टैरिफ लगाएंगे। अमेरिका और कनाडा के बीच सालाना व्यापार अरबों डॉलर का है। अमेरिका के ट्रेड रिप्रजेंटेटिव्स के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका और कनाडा के बीच साल 2022 में 614 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। ऐसे में अगर ट्रंप, कनाडा से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का फैसला करते हैं और उसके जवाब में कनाडा भी सख्त कदम उठाता हो तो इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनातनी पैदा हो सकती है।

पद छोड़ने से पहले बाइडन ने 39 लोगों को किया क्षमा दान; चार भारतीय अमेरिकी भी शामिल, 1500 लोगों की सजा भी : वाशिंगटन, एजेंसी। अगले महीने राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने अहिंसक अपराधों के दोषी 39 अमेरिकियों को माफी दी है। इसके साथ ही कोरोना महामारी के दौरान जेल से रिहा हुए और घरेलू कारावास में रखे गए करीब 1,500 लोगों की सजा कम की है। बाइडन ने जिन लोगों को क्षमादान दिया है उनमें चार भारतीय अमेरिकी भी शामिल हैं। इनके नाम मीरा सचदेवा, बाबूभाई पटेल, कृष्णा मोटे और विक्रम दत्ता हैं। गुरुवार को घोषित सजा में छूट उन लोगों के लिए है, जिन्होंने रिहा होने के बाद कम से कम एक साल तक घरेलू कारावास की सजा काट ली है। बाइडन ने कहा, वह आने वाले हफ्तों में और कदम उठाएंगे और क्षमादान याचिकाओं की समीक्षा जारी रखेंगे। गौरतलब है कि दिसंबर 2012 में, डॉ मीरा सचदेवा को 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके साथ ही उनके द्वारा चलाए जा रहे कैंसर केंद्र में धोखाधड़ी के लिए लगभग ₹8.2 मिलियन चुकाने का आदेश दिया गया था। वह अब 63 साल की हैं। वहीं, बाबूभाई पटेल को 2013 में स्वास्थ्य सेवा धोखाधड़ी साजिश, ड्रग्स ट्रैफिकिंग और धोखाधड़ी के लिए 17 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा 2013 में, 54 वर्षीय कृष्णा मोटे को 280 ग्राम से अधिक क्रैक कोकीन और 500 ग्राम से अधिक कोकीन की तस्करी करने की साजिश रचने का दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वहीं, 63 साल के विक्रम दत्ता को जनवरी 2012 में मैनहट्टन संघीय अदालत में 235 महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन्हें मैक्सिकन नशीले पदार्थों के संगठन के लिए अपने इत्र वितरण व्यवसाय के उपयोग से लाखों डॉलर की हेराफेरी करने की साजिश के आरोप में दोषी पाया गया था।

युद्धविराम वार्ता से निकल सकता है बंधकों की रिहाई का रास्ता, इजरायली रक्षा मंत्री ने जताई उम्मीद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि वह नए संघर्ष विराम समझौते के जरिए गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की संभावना देखते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कैट्ज ने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ फोन पर बातचीत में कहा, इस समय एक नए समझौते की संभावना है, उम्मीद है कि इससे सभी बंधकों की रिहाई हो सकेगी, जिनमें अमेरिकी नागरिकता वाले बंधक भी शामिल हैं। कैट्ज के कार्यालय के अनुसार, दोनों ने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें गाजा में युद्ध विराम के लिए नए सिरे से बातचीत भी शामिल थी।

इजरायल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच लड़ाई खत्म करने वाले संघर्ष विराम समझौते के बाद गाजा में सीजफायर के लिए बातचीत फिर से शुरू हो गई है। इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थता से चल रही बातचीत में अभी तक कोई सफलता की घोषणा नहीं की गई है। हमास ने अभी भी गाजा में करीब 100 लोगों को बंधक बना रखा है। बता दें 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है।

इजरायल-हमास संगर्ष के दौरान एक संक्षिप्त संघर्षविराम हुआ जिसमें लगभग 105 बंधकों को रिहा किया गया था। कुछ बंधकों को इजरायली सैनिकों ने भी बचाया। हाल ही में हमास ने घोषणा की है कि इजरायली सैन्य अभियानों के कारण गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 33 इजरायली बंधकों की मौत हो गई है, जबकि कुछ अन्य अभी भी लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास ने एक वीडियो भी जारी किया जिसमें बताया गया कि बंधकों की हत्या कब और कैसे की गई।

रूस ने नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी की जारी, अमेरिका और यूरोप यात्रा से बचने की सलाह

मास्को, एजेंसी। रूस ने अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है जिसमें उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों की यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यह चेतावनी जारी करते हुए कहा कि इन देशों में रूसियों के लिए खतरा हो सकता है खासकर अमेरिकी अधिकारियों की ओर से। मारिया जखारोवा ने इस ट्रैवल एडवाइजरी में यह कहा कि अमेरिकी अधिकारियों से रूसियों को खतरा हो सकता है और उन्हें इस समय इन देशों की यात्रा करने से बचना चाहिए। रूस ने यह चेतावनी अमेरिका और यूरोप के देशों में रूसियों के खिलाफ बढ़ते दबाव और तिरस्कार को देखते हुए जारी की है। हाल ही में रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ा है खासकर रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से। पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं और इसके साथ ही रूस के नागरिकों पर भी सख्ती बढ़ाई गई है। रूस का कहना है कि इन देशों में रूसियों को गिरफ्तार किया जा सकता है या उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है जिससे उनके लिए यात्रा करना असुरक्षित हो सकता है। रूस ने यह एडवाइजरी अपने नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी की है ताकि वे इन देशों में यात्रा करने से पहले पूरी जानकारी प्राप्त कर सकें।

बांग्लादेश में अब जॉय बांग्ला राष्ट्रीय नारा नहीं : यूनुस सरकार ने आदेश जारी किया, सुप्रीम कोर्ट का दखल से इनकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेशी सरकार ने हाल ही में इसे लेकर आदेश जारी किया है। बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। डेली स्टार के मुताबिक, बांग्लादेशी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस सरकारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राष्ट्रीय नारा सरकार की पॉलिसी का मामला है और न्यायपालिका को इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, जॉय बांग्ला नारा कवि काजी नजरुल इस्लाम की कविता से लिया गया है। उन्होंने 1922 में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लिखी एक कविता में इसका जिक्र किया था। 1971 में बांग्लादेश स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसका इस्तेमाल युद्धघोष की तरह किया गया। शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना से मुकाबला करने के लिए 1971 में जॉय बांग्ला (बांग्ला की जीत) नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। तस्वीर- रॉयटर्स

शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना से मुकाबला करने के लिए 1971 में जॉय बांग्ला (बांग्ला की जीत) नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। तस्वीर- रॉयटर्स 2020 में हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय नारा घोषित किया था बांग्लादेश बनने के बाद नजरुल इस्लाम को बांग्लादेश के राष्ट्रीय कवि की उपाधि से सम्मानित किया गया। बांग्लादेश की आजादी के तुरंत बाद अनौपचारिक तौर पर जॉय बांग्ला देश का राष्ट्रीय नारा बन गया। हालांकि, 1975 में शेख मुजीब की हत्या के बाद खोंडेकर मुस्ताक अहमद बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने बांग्लादेश जिंदाबाद नारे का इस्तेमाल किया। 2017 में बांग्लादेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसमें जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित करने की मांग की गई थी। 10 मार्च, 2020 को हाई कोर्ट ने जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा घोषित कर दिया। 2 मार्च 2022 को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों और सरकारी समारोह में इसे बोलना अनिवार्य कर दिया था। नोट से शेख मुजीब की तस्वीर हटाने की तैयारी बांग्लादेश में करेंसी नोट से भी शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर हटाने की तैयारी की जा रही है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, बांग्लादेश सेंट्रल बैंक नए नोट छाप रहा है, जिनमें जुलाई के हिंसक प्रदर्शन की तस्वीरें होंगी। अंतरिम सरकार के निर्देश पर 20, 100, 500 और 1,000 टका के नए बैंक नोट छापे जा रहे हैं। पहले राष्ट्रपति से जुड़ी निशानियों पर भी हमला अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से लगातार शेख मुजीब से जुड़ी निशानियों पर हमला किया जा रहा है। ढाका में शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी उनकी नेमप्लेट को हटाया गया। अंतरिम सरकार ने आजादी और संस्थापक से जुड़े दिनों की 8 सरकारी छुट्टियां भी कैंसिल कर दी थी।

इमरान खान और बुशरा तोशखाना के नए मामले में दोषी करार, एनएबी ने दर्ज किया था मामला

इस्लामाबाद, एजेंसी। मामले में दंपति को जमानत मिल गई है। लेकिन जबकि पूर्व प्रथम महिला जेल से बाहर है, उसका पति अभी भी उसके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों में सलाखों के पीछे है। दोनों पर अवैध बिक्री और सरकारी उपहारों को अपने पास रखने के जरिए राष्ट्रीय खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप है, उन्हें उक्त मामले में 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था उसी दिन उन्हें इद्दत मामले में बरी कर दिया गया था। इस्लामाबाद की एक विशेष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक-अध्यक्ष इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को नए तोशाखाना मामले में दोषी ठहराया। इस मामले को आभूषण सेट मामले के रूप में भी जाना जाता है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले विशेष न्यायालय सेंट्रल-द्वि के न्यायाधीश सेंट्रल शाहरुख अर्जुमंद ने खान और बुशरा पर आरोप तय किए। मामला शुरू में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा दायर किया गया था। हालाँकि, एनएबी संशोधनों के आलोक में, संघीय जांच एजेंसी ने मामले को अपने हाथ

में ले लिया और इस साल सितंबर में अपना चालान दायर किया।

मामले में दंपति को जमानत मिल गई है। लेकिन जबकि पूर्व प्रथम महिला जेल से बाहर है, उसका पति अभी भी उसके खिलाफ दर्ज अन्य मामलों में सलाखों के पीछे है। दोनों पर अवैध बिक्री और सरकारी उपहारों को अपने पास रखने के जरिए राष्ट्रीय खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप है, उन्हें उक्त मामले में 13 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था उसी दिन उन्हें इद्दत मामले में बरी कर दिया गया था। अक्टूबर में, पूर्व प्रथम महिला को कई महीने सलाखों के पीछे बिताने के बाद आखिरकार रिहा कर दिया गया जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने उक्त मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद की जमानत याचिका को मंजूरी दे दी। इस बीच, नवंबर में, आईएचसी ने भी जेल में बंद पूर्व प्रधान मंत्री को जमानत दे दी। हालाँकि, खान और बुशरा दोनों ही संकट से बाहर नहीं हैं क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री का नाम 188 विभिन्न मामलों में आने के कारण उनके कानूनी संकट जल्द ही समाप्त होने की संभावना नहीं है।

सीरिया की अंतरिम सरकार का दावा, विद्रोही खेमे से बातचीत करने दमिश्क पहुंचे तुर्किए और कतर के वरिष्ठ अधिकारी

दमिश्क, एजेंसी। तुर्किए और कतर के वरिष्ठ अधिकारी पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले विद्रोही खेमे के नेताओं संग चर्चा करने के लिए दमिश्क पहुंचे हैं। इसकी जानकारी सीरिया के अंतरिम सूचना मंत्रालय ने दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किए के प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री हकान फिदान और खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन शामिल थे, जबकि कतर का प्रतिनिधित्व राज्य सुरक्षा सेवा के प्रमुख खलफान बिन अली बिन खलफान अल-बट्टी अल-काबी ने किया। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दोनों प्रतिनिधिमंडलों में सलाहकार दल भी शामिल था। अधिकारियों का हयात तहरीर अल-शाम समूह के नेता अबू मोहम्मद अल-जुलानी से मिलने का कार्यक्रम है, जिसने अल-असद को गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे उग्रवादी नेता मोहम्मद अल-बशीर के साथ भी बातचीत करने वाले हैं, जो अब विद्रोही गठबंधन द्वारा नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि चर्चा विद्रोही गुटों के बीच आंतरिक राजनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होने की उम्मीद है। तुर्किए या कतर सरकार की ओर से इस यात्रा की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिदान ने पहले कहा था कि अंकारा दमिश्क में अपने दूतावास को एक बार परिस्थितियां अनुकूल होने पर फिर से खोलने का इरादा रखता है। तुर्किए ने 26 मार्च, 2012 को सीरिया की राजधानी में अपना दूतावास बंद कर दिया था, जिसमें बढ़ती हिंसा और 2011 में शुरू हुए सीरिया के गृहयुद्ध के बीच असद को पद छोड़ने के लिए कहा गया था। असद सरकार को उखाड़ फेंकने वाले उग्रवादी समूहों का समर्थन करने वाले समाचार आउटलेट साउट अल-असिमा के अनुसार, सीरियाई संविधान और संसद को कथित तौर पर तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। आउटलेट ने गुरुवार को अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए इस घटनाक्रम की सूचना दी, लेकिन इस बारे में विवरण नहीं दिया कि निलंबन कैसे लागू किया जाएगा। इससे पहले बुधवार को सीरिया के सैन्य अभियान प्रशासन ने घोषणा की थी कि उसने दमिश्क और उसके आसपास के क्षेत्रों में पहले से लागू कर्फ्यू हटा लिया है और निवासियों से अपनी दैनिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने और अपने कार्यस्थलों पर लौटने का आह्वान किया है।

सीरिया की 90 फीसदी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को हमने तबाह कर दिया : इजरायल

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) का दावा है कि उसने सीरिया की हवाई सुरक्षा को बहुत नुकसान पहुंचाया है और उसकी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बयान में आईडीएफ ने बताया कि वह सीरिया की स्थिति का मूल्यांकन कर रहा था, खासकर बशर अल-असद के सत्ता से हटने की संभावना को ध्यान में रखते हुए।

बयान में कहा गया है, ऐसी स्थिति के लिए तैयार होने के लिए वायु सेना ने सीरिया की सैन्य ताकतों को नष्ट करने के लिए एक बड़े हमले की योजना बनाई है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों इजरायली लड़ाकू जेट और विमान ने मिलकर हमले शुरू किए हैं, जिनसे सीरिया के सबसे महत्वपूर्ण हथियारों, जैसे लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर, मिसाइल, ड्रोन, रडार और रॉकेट को बड़ा नुकसान हुआ है। हमलों में कई सीरियाई हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया गया। उत्तरी दमिश्क के पास टी4 हवाई अड्डा को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे वहां तैनात एसयू-22 और एसयू-24 लड़ाकू विमान पूरी तरह नष्ट हो गए। ब्ले हवाई अड्डा, जहां तीन और लड़ाकू स्क्वाड्रन थे और पास में स्थित हथियारों के गोदाम भी इजरायली

हमलों में प्रभावित हुए। आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में कहा, 48 घंटों के भीतर आईडीएफ ने सीरिया में अधिकांश रणनीतिक हथियारों के भंडार पर हमला किया, ताकि ये आतंकवादी समूहों के हाथों में न पड़ें। इसके अलावा, सीरिया के होम्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और भंडारण केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसे सीरिया के स्कड मिसाइल कार्यक्रम का अहम हिस्सा माना जाता था। आईडीएफ के बयान में बताया गया कि इन अभियानों का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सीरिया की उन्नत सैन्य ताकतों को कमजोर करना है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत एक बार फिर बिगड़ी गई है। उन्हे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है, और अस्पताल प्रशासन जल्द ही उनका मेडिकल बुलेटिन जारी कर सकता है। लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 97 वर्ष है और हाल के महीनों में उनकी सेहत में गिरावट आई है। पिछले 4-5 महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इससे पहले अगस्त 2024 में भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। आडवाणी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने के कारण उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

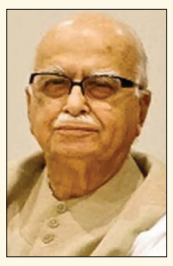

राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सीरिया से निकाले गए चार भारतीय, दिल्ली पहुंचे

-भारतीय दूतावास के प्रयासों की सराहना की

नई दिल्ली। सीरिया में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सीरिया से निकाले गए चार भारतीय नागरिक दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। भारत पहुंचने पर खुशी जाहिर कर उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास के प्रयासों की सराहना की। भारत ने सीरिया से उन सभी नागरिकों को निकाला है, जो अरब राष्ट्र में विद्रोही बलों द्वारा राष्ट्रपति बशर असद की सरकार को गिराने के बाद घर लौटने की इच्छा रखते थे। दिल्ली पहुंचने के बाद एक भारतीय नागरिक ने कहा मैं 15-20 दिन पहले वहां गया था। हमें नहीं पता था कि ऐसा होगा। लेकिन भारतीय दूतावास ने हमें निकाला। पहले वे हमें लेबनान ले गए, फिर गोवा पहुंचे और आज हम दिल्ली पहुंचे हैं। हमें खुशी है कि हम अपने देश पहुंच गए। इस पूरे घटनाक्रम में भारतीय दूतावास ने हमारी बहुत मदद की। वे हमें सीरिया से लेबनान तक बस में ले आए। फिर, वे हमें गोवा ले आए उड़ान और फिर वे हमें दिल्ली लेकर आए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने सीरिया में उन सभी भारतीय नागरिकों को निकाल लिया है जो उस देश में हाल के घटनाक्रम के बाद घर लौटना चाहते थे। अब तक, सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को निकाला गया है।

जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल करे केंद्र - उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से अपना वादा निभाने और जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किये जाने का आग्रह किया है। एक साक्षात्कार में अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बार-बार किए गए वादों का हवाला देते हुए राज्य का दर्जा बहाल करने की केंद्र की प्रतिबद्धता को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने दिल्ली का उदाहरण दिया जहां सरकार उपराज्यपाल के साथ सत्ता साझा करती है जोकि अच्छा अनुभव नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''सत्ता के दो केंद्र कभी सफल नहीं हो सकते।'' अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली आखिरकार एक छोटा शहरी राज्य है, जबकि जम्मू-कश्मीर एक बड़ा और रणनीतिक क्षेत्र है जो चीन और पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है, जिससे एकीकृत कमान की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।

छोटे और सीमांत किसानों को अगले साल से बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का कर्ज

नई दिल्ली। अगले साल से छोटे और सीमांत किसानों को बिना गारंटी के दो लाख रुपये तक का कर्ज बैंकों से मिल सकेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 1 जनवरी से किसानों के लिए ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी है। कृषि एवं किसान कल?याण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सरकार ने यह फैसला खेती की बढ़ती लागत और किसानों को आसानी से ऋण देने के मकसद से लिया है। नए निर्देश में देशभर के बैंकों से प्रत्येक किसानों के लिए दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण के लिए जमानत और मार्जिन जरूरतों को माफ करने को कहा गया है। इस उपाय से छोटे और सीमांत भूमिधारक 86 फीसदी से ज?यादा किसानों को लाभ होगा। बैंकों को जारी दिशा-निर्देश तेजी से लागू करने और नए ऋण प्रावधानों के बारे में किसानों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। कृषि? मंत्रालय ने कहा कि इस कदम से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण तक आसान पहुंच की सुविधा मिलने की उम्मीद है। यह सरकार की संशोधित ब्याज सहायता योजना का पूरक होगा। इस योजना के तहत सरकार चार फीसदी प्रभावी ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक का ऋण देती है। आरबीआई ने भी पिछले हफ्ते मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद किसानों के लिए बिना गारंटी के ऋण की सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का ऐलान किया था।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी, पंजाब, दिल्ली और यूपी में शीतलहर का कहर

राजस्थान के सीकर जिले में रात का तापमान 0.1 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। इसका असर मैदानी इलाकों में दिखाई देने लगा है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी में शीतलहर चल रही है। दिल्ली में शुक्रवार को पारा न्यूनतम 4.2 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर भारत में शीतलहर जारी रहेगी। ठंड और बढ़ सकती है। वहीं तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में पारा लगातार गिर रहा है। अनुमान के मुताबिक शनिवार को मौसम और ज्यादा ठंडा रहेगा और पारा 4 डिग्री तक लुढ़क सकता है। गुरुवार को बीते तीन साल में दिसंबर का सबसे ठंडा दिन रहा था। इसके अलावा सुबह-सुबह कोहरे की चादर भी बिछी रही। दिल्ली और एनसीआर में गुनगुनी धूप से लोगों को दिन में राहत मिल सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत में शीतलहर चलती रहेगी। इसके अलावा बिहार, यूपी, झारखंड और मध्य प्रदेश में भी शीतलहर का प्रकोप रहेगा। लोगों को ठंड से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। कश्मीर के पुलवामा, बारामूला, अनंतनाग, बांदीपोरा में बर्फबारी दर्ज की गई। इसके अलावा जोजिला दर्रा, शिमला, मसूरी में भी हल्की बर्फबारी हुई। बर्फबारी से लेह-श्रीनगर मार्ग बंद कर दिया गया है।

राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सीकर जिले में रात का तापमान 0.1 डिग्री पहुंच गया। वहीं कई जगहों पर रात का तापमान जमाव बिंदु तक पहुंच गया। हरियाणा में शनिवार को तापमान 2 डिग्री तक नीचे जा सकता है। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक जा सकता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में पाला पड़ने की भी संभावना है।

स्काईमेट के मुताबिक दक्षिण के राज्यों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और अंडमान-नीकोबार में भी हल्की बारिश हो सकती है।

सदन में बोले पीएम मोदी

इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का गला घोंटा, कांग्रेस के मुंह संविधान संशोधन का खून लग गया

हमने भी संविधान में बदलाव किए, लेकिन देश की एकता के लिए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान आपातकाल का जिक्र किया और कहा कि इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया। पीएम ने साथ ही कहा कि कांग्रेस के मुंह संविधान संशोधन का खून लग गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। मैं इसलिए भी इस परिवार की चर्चा करता हूं कि मेरे 75 साल की इस यात्रा में 55 साल, एक ही परिवार ने राज किया है, इसलिए क्या-क्या हुआ है, देश को ये जानने का अधिकार है।

पीएम मोदी ने कहा, गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया लेकिन 2014 देश के 50 करोड़ ऐसे नागरिक थे जिन्होंने बैंक की शक्ल नहीं देखी थी। 50 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोलकर के हमने बैंकों के दरवाजे गरीबों के लिए खोले। गरीबी हटाओ इसी कारण जुमला बनकर रह गया। गरीब को इस मुश्किल से मुक्ति मिले ये हमारा मिशन है। जिनको कोई नहीं पूछता उनको मोदी पूजता है। पीएम मोदी ने कहा कि, कांग्रेस का सबसे प्रिय शब्द जिसके बिना वो जी नहीं सकते वो है, जुमला। गरीबी हटाओ कांग्रेस का सबसे पसंदीदा जुमला था। क्या आपको देश में टॉयलेट बनाने की भी फुरसत नहीं मिली। आपने गरीबों को दूरदर्शन में देखा है। अखबार में पढ़ा है। आपको पता ही नहीं कि गरीबी होती क्या है।

पीएम मोदी ने कहा कि संविधान के साथ खिलवाड़ करना, संविधान की स्पिरिट को तहस-नहस करना ये कांग्रेस की रगों में रहा है। हम भी सौदेबाजी कर सकते थे लेकिन हमने संविधान का रास्ता चुना। अटल जी ने सौदा नहीं किया। उन्होंने 13 दिन बाद इस्तीफ़ा दे दिया। अटल जी ने कभी सौदेबाजी का रास्ता नहीं अपनाया। उन्होंने कहा, हम भी सौदेबाजी कर सकते थे, लेकिन हमने संविधान का रास्ता चुना। बाजार तब भी लगते थे। खरीद-फरोख्त तब भी होता था। अटल जी ने बाजार और खरीद-फरोख्त के माहौल के बावजूद सौदा नहीं किया। उन्होंने 13 दिन बाद अपनी सरकार का इस्तीफा दे दिया, क्योंकि वे संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति समर्पित थे।

मोदी ने बताया कि संविधान सभा ने यूसीसी को लेकर लंबी चर्चा की थी। बाबा साहब ने धार्मिक आधार पर बने पर्सनल लॉ को खत्म करने की उन्होंने जोरदार वकालत की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार कहा है कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड जल्द से जल्द लाना है। आज कांग्रेस के लोग सुप्रीम कोर्ट की भावना का भी अनादर कर रहे हैं। लोगों को डराने के लिए संविधान का इस्तेमाल किया जाता है। जो अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मानते हैं। ये जिनकी रगों में नहीं है।उनमें केवल सत्तावाद और परिवारवाद भरा पड़ा हुआ है। जो लोग अपनी पार्टी के संविधान को नहीं मानते वो लोग कैसे देश के संविधान को स्वीकार कर सकते हैं। सीताराम केसरी को उठाकर फुटपाथ पर फेंक दिया गया। कहते हैं बाथरूम में बंद कर दिया गया था।

पीएम मोदी ने कहा कि, बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम भी तब संभव हुआ जब कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई। वोटबैंक की राजनीति में डूबे हुए लोगों ने आरक्षण के अंदर नुक्ताचीनी करने का काम किया है इसका सबसे ज्यादा नुकसान एससी-एसटी और ओबीसी का नुकसान किया है। पीएम मोदी ने कहा कि, दशकों तक मंडल कमीशन की रिपोर्ट को डिब्बे में डाल दिया था।

पीएम मोदी ने कहा कि मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि पार्टी अध्यक्ष सत्ता का केंद्र है। सरकार पार्टी के प्रति जवाबदेह है। इतिहास में पहली बार संविधान को ऐसी गहरी चोट पहुंचा दी गई।नैशनल अडवायजरी काउंसिल को पीएमओ के ऊपर बैठा दिया गया। एक अहंकारी व्यक्ति कैबिनेट के निर्णय को फाड़ दे और कैबिनेट अपना फैसला बदल दे ये कौन-सी व्यवस्था है। कांग्रेस ने निरंतर संविधान की अवमानना किया है। संविधान के महत्व को कम किया है।

केंद्र नहीं दे रहा वायनाड को विशेष पैकेज, प्रियंका गांधी व विपक्षी सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन

वायनाड (एजेंसी)। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत केरल के विपक्षी सांसदों ने शनिवार को वित्तीय मांग को लेकर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रियंका ने कहा कि केंद्र सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृहमंत्री से अनुरोध किया है, हमने पीएम को लिखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी इस तरह बड़े पैमाने पर तबाही देखी गई है और वहां कांग्रेस की सरकार है। वे केंद्र से मदद मांग रहे हैं और फिर भी दोनों मामलों में केंद्र सरकार राजनीति के कारण पीड़ितों को उनका हक नहीं दे रही है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। केरल आपदा के बाद के हालात से निपटने के लिए केंद्र से मदद मांग रहा है। राज्य को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने राज्य से हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों और अन्य सेवाओं के लिए भुगतान करने को कहा है। इससे पहले बाढ़ से अस्त-व्यस्त हो चुके केरल के वायनाड को लेकर गृह मंत्री से प्रियंका गांधी ने मुलाकात की थी।

प्रियंका ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन दिया है। वायनाड में में तबाही खत्म हो गई है। जो लोग प्रभावित हुए हैं उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया है। ऐसे में अगर केंद्र कोई कदम नहीं उठा सकता तो इससे पूरे देश और खासकर पीड़ितों में बहुत बुरा संदेश जाएगा। पीएम ने दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की थी। इसके बाद जब मैं पीड़ितों से मिली तो उन्होंने उम्मीद जताई कि शायद उन्हें कुछ राहत मिलेगी। प्रियंका ने गृहमंत्री अमित शाह से वायनाड के लिए 2221 करोड़ का रिलीफ फंड जारी करने की मांग की है। उन्होंने आगे कहा कि अब चार महीने बीत चुके हैं और वह राहत नहीं मिल रही है।

आतंकवाद मुक्त माहौल में ही पाकिस्तान से अच्छे संबंध हो सकते है: विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने संसद में प्रश्नकाल में तमाम दलों के सांसदों के प्रश्नों के जवाब में भारत के निकट और दूरस्थ पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका) के साथ अपने संबंधों को लेकर सरकार का मौजूदा रुख और नीति स्पष्ट की। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर कहा कि भारत पाक के साथ अच्छे संबंध बनाने का इच्छुक है। लेकिन इसके लिए आतंकवाद रहित माहौल का होना बेहद जरूरी है। यही भारत सरकार का पाकिस्तान को लेकर वर्तमान में बना हुआ रुख है। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है और उनके पहले के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आता है तो उसका द्विपक्षीय संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा व्यवहार भारत के लिए चिंता का कारण है। हम उम्मीद करते हैं कि ढाका उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा। विदेश मंत्री ने बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारत के साथ परस्पर लाभकारी स्थिर संबंध स्थापित करेगी। हमने उन्हें उक्त मामले पर अपनी चिंताओं से अवगत कराया है। विदेश सचिव ने भी हाल ही में ढाका की यात्रा के दौरान अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के मुद्दे को उठाया। बांग्लादेश में विकास परियोजनाओं को लेकर भारत का अच्छा इतिहास रहा है। जयशंकर ने चीन के साथ एलएसी विवाद और सैन्य गश्त के सवाल के जवाब में कहा कि हमारे सुरक्षा बल लद्दाख के देपसांग में सभी बिंदुओं तक सैन्य गश्त के लिए जा रहे हैं। यही भारत की ऐतिहासिक सैन्य गश्त सीमा है। पिछला समझौता देपसांग और डेमचौक से जुड़ा हुआ था। जिस पर मैंने एक विस्तृत बयान सदन में दिया था। उसी से मामले को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है। नेपाल द्वारा भारत के इलाकों को अपना बताकर जारी की गई करेंसी के मुद्दे पर विदेश मंत्री ने कि सीमा को लेकर हमारा रुख बिलकुल साफ है। अगर हमारा किसी पड़ोसी को ये लगता है कि उसके कुछ करने से भारत के रुख में तब्दीली आ जाएगी तो मैं उन्हें स्पष्ट कर दूं कि ऐसा कुछ भी नहीं होगा। म्यांमार के तनावपूर्ण हालात के बीच भारत को फ्री मूवमेंट रिजीम की समीक्षा करनी पड़ी।

किसानों ने दिन भर के लिए स्थगित किया दिल्ली मार्च, अब 16 दिसंबर को देशभर में करेंगे ट्रैक्टर मार्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के साथ राज्य की सीमा पर हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा आंसू गैस की गोलाबारी में कुछ के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार को दिल्ली तक अपना पैदल मार्च दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्था वापस लेने का फैसला किया है। सुनने में आ रहा है कि 17-18 लोग घायल हुए हैं। हम कुछ देर बाद पीसी करेंगे और आगे की कार्रवाई की जानकारी देंगे।

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 16 दिसंबर को पंजाब के बाहर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा और 18 दिसंबर को हमने पंजाब में %रेल रोको% का आह्वान किया है। हम सभी पंजाबियों से बड़ी संख्या में ÷रेल रोको÷ में भाग लेने की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ बयान देकर अपनी भूमिका से नहीं भागना चाहिए। उन्हें किसानों की मांगों को पूरा करने के एजेंडे पर प्रकाश डालना

चाहिए। उन्हें रुकना चाहिए जैसे वे अन्य मुद्दों पर संसद को ठप कर रहे हैं, वैसे ही राहुल गांधी हमारे मुद्दे को संसद में नहीं उठा रहे हैं, जैसा उन्होंने हमें आश्वासन दिया था।

किसान नेता मंजीत सिंह राय ने आरोप लगाया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रबर की गोलियों का भी इस्तेमाल किया गया और एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। राय ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्थे को वापस बुलाने का फैसला किया है और बैठक के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले आज, हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों ने शंभू सीमा से दिल्ली की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे 101 किसानों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। उन्हें हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स पर रोक दिया गया।

पंढेर ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने किसानों को तितर-बितर करने के लिए ÷रासायनिक मिश्रित पानी÷ का इस्तेमाल किया और ÷इस बार अधिक आंसू गैस के गोले÷ छोड़े। पंधेर ने यह भी कहा कि संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर संसद में बहस चल रही है, लेकिन किसानों की आवाज कोई नहीं सुन रहा है। उन्होंने कहा कि संसद में किसानों के लिए कोई आवाज नहीं उठा रहा। यहां हम जानना चाहते हैं कि हमारे विरोध पर कौन सा संविधान लागू होता है। 101 किसानों का जत्था देश की कानून-व्यवस्था के लिए खतरा कैसे बन सकता है?

अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर पनपता है लोकतंत्र: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र केवल प्रणालियों पर ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर केंद्रित मूल मूल्यों पर भी पनपता है।

धनखड़ ने यहां भारतीय डाक एवं दूर संचार लेखा और वित्त सेवा के 50वें स्थापना संबोधित करते हुए कहा कि आज की संस्थागत चुनौतियाँ भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। विचार की अभिव्यक्ति और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, डिजिटल संचार आयोग के वित्त सदस्य मनीष सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर पनपता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये जुड़वां ताकतें लोकतांत्रिक जीवन शक्ति को आकार देती हैं। उनकी प्रगति को व्यक्तिगत पदों से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक लाभ से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में बराबर भागीदार हैं।

स्व-लेखा परीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, 'सेल्फ ऑडिट बहुत ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को गिराने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे, आपका पतन निश्चित है। और इसलिए, आत्म-लेखा परीक्षा, स्वयं से परे एक लेखा परीक्षा, आवश्यक है'। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और तालमेल पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, ÷एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विभागों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। हमें एक दूसरे के साथ तालमेल में रहना चाहिए, हमें एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। मैंने अक्सर सभी को यह समझाया है कि शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कुछ और नहीं बल्कि तीन संस्थाओं, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए।